दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

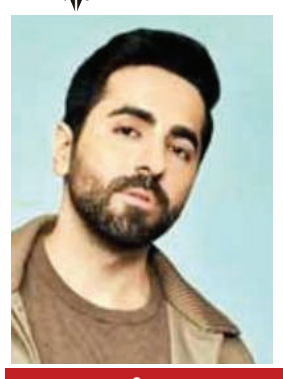

अमन लेखनी

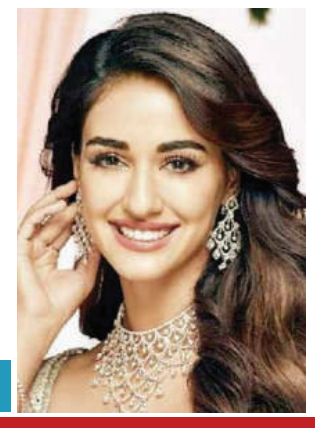

सूरज की फिल्म में पहली बार करेंगे काम....

आवारापन के सीक्वल में आएंगी नजर

वर्ष : 12 अंक : 120 लखनऊ, 23 अप्रैल, गुरूवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

महिला विरोधी हैं कांग्रेस व सपा के कारनामे : मुख्यमंत्री

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में विपक्षी दलों पर गरजे सीएम योगी

- महिलाओं को नेतृत्व का अधिकार नहीं देना चाहती हैं विपक्षी पार्टियां

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को पारित न होने देने वाली कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) सहित सभी विपक्षी दलों पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा है। गोरखपुर में विपक्षी दलों पर गरजते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये पार्टियां महिलाओं को नेतृत्व का अधिकार नहीं देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा का इतिहास और उनके कारनामे महिला विरोधी हैं।

सीएम योगी बुधवार शाम योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं का अधिकार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में जब नया संसद भवन बना तो पीएम ने नए संसद भवन में सबसे पहला अधिनियम नारी शक्ति वंदन का ही पारित कराया। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक के जरिये 2029 के लोकसभा चुनाव से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को कानून बनाने और उसके क्रियान्वयन में भागीदारी का अधिकार देना चाहते हैं लेकिन विधेयक के गिरने पर जश्न मनाने वाले महिला विरोधी विपक्ष को यह मंजूर नहीं है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके को जिम्मेदार ठहराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सपा के कारनामे शुरू से ही महिला विरोधी रहे हैं। कांग्रेस ने महिलाओं, दलितों, वंचितों, पिछड़ो के अधिकार में हमेशा बाधा डालने का काम किया। जबकि सपा तो घोषित रूप से नारी विरोधी है। सपा के बारे में यह कहा भी जाता है, देख सपाई, बिटिया घबराई। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले सपा सरकार में मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोगों ने बेटियों को स्कूल भेजना बंद कर दिया था। जबकि आज बेटियां बिना रोकटोक के स्कूल जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 1947 से लेकर 2017 तक यूपी पुलिस में सिर्फ 10 हजार

महिलाओं की भर्ती हुई थी, जबकि 2017 के बाद यह संख्या 44 से 45 हजार है। प्रदेश में पुलिस भर्ती होने पर 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती को अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियों में भर्ती हुई हैं और इनमें पौने दो लाख महिलाएं भर्ती हुई हैं। प्रदेश में 21 हजार से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं और इनमें आधी भागीदारी महिलाओं की है।

सीएम योगी ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी आवश्यक है। पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं को सुनिश्चित प्रतिनिधित्व मिल गया है और उसके परिणाम भी सुखद हैं। राज्य में 54 प्रतिशत ब्लॉक प्रमुख महिलाएं ही हैं। इसी तरह ग्राम पंचायतों और जिला पंचायतों को देखें तो महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

सीएम ने कहा कि अब संसद और विधानसभाओं में भी महिलाओं 33 प्रतिशत आरक्षण देने का अभियान पीएम मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिये शुरू किया तो सपा, कांग्रेस जैसे महिला विरोधी दल बहानेबाजी करने और लटकाने-भटकाने पर उतर आए। भीषण गर्मी में और उस पर भी कम समय की सूचना पर सम्मेलन में महिलाओं की बड़ी संख्या को देखकर प्रसन्न मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में नारी शक्ति की हिस्सेदारी यह साफ संदेश है कि महिलाओं को उनके अधिकार से बहुत अधिक दिनों तक कोई वंचित नहीं रख सकता। यह नारी शक्ति के द्वारा भीख नहीं मांगी जा रही है, उसका यह स्वतः अधिकार है। जिसको आजादी के बाद से ही लटकाने का प्रयास हो रहा था।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधी आबादी के प्रति कृत ज्ञापित करते हुए अभियान प्रारंभ किया है। पीएम मोदी का मानना है कि जहां नारी सशक्त होती है तो वह परिवार अपने आप में समर्थ होता है। जब परिवार समर्थ होता है तो समाज की नींव सुदृढ़ होती है। और, जब समाज की नींव सुदृढ़ होती है तो राष्ट्र शक्तिशाली और समृद्ध होता है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया का कोई भी देश हो, वह गाय को माता भले न माने लेकिन दूध वह गाय का ही पीता है। मुख्यमंत्री ने सवाल भी उठाया, जो लोग गाय खाते हैं, वे सुअर का दूध पीते हैं क्या? इसका जवाब भी उन्होंने खुद नहीं में दिया।

यूपी बीज निगम कार्मिकों को भी मिलेगा सातवां वेतनमान

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 40 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा संभावित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम के कार्मिकों को सातवां वेतनमान दिए जाने का निर्णय लिया है। एक निगम होने के कारण अभी तक इन कर्मियों को सरकारी विभागों की तरह वेतन का यह लाभ प्राप्त नहीं हो सका था। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से निगम के कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है, क्योंकि लंबे समय बाद उन्हें अन्य सरकारी कर्मचारियों की भांति सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ मिलेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम की वित्तीय स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निगम वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद से, विशेषकर वित्तीय वर्ष 2019-20 से निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम द्वारा 40.00 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया जाना संभावित है। निगम की इस सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और कर्मियों के समर्पण को देखते हुए ही सातवें वेतनमान की फाइल को स्वीकृति प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तक निगम का कुल संचित लाभ 143.07 करोड़ रुपये हो चुका है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के विशेष प्रयासों ने निगम को घाटे से उबारकर लाभ की स्थिति में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी सफलता के परिणामस्वरुप मुख्यमंत्री जी ने कार्मिकों के हित में सातवां वेतनमान लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे कर्मचारियों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित होगा।

खबर संक्षेप

अब बिना पीयूसी नहीं मिलेगा दिल्ली में ईंधन

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए सीएम रेखा गुप्ता ने सख्त निर्णय लिया है। अब बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। सभी पेट्रोल पंपों और एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने कड़े कदम उठाना आवश्यक हैं।

आईआरएस अफसर की बेटी की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित कैलाश हिल इलाके में बुधवार सुबह आईआरएस अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। पुलिस ने घरेलू सहायक पर मुख्य रूप से संदेह जताया जा रहा है, जो वारदात के बाद से फरार बताया जा रहा है।

नीतीश का भरोसा, झा बने कार्यकारी अध्यक्ष

पटना। नीतीश कुमार की अगुवाई में जेडीयू ने नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया है। नई टीम में संजय झा को एक बार फिर कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बार 12 नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव और 8 नेताओं को सचिव बनाया है। इससे जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत होगी।

30 की उम्र में एक्ट्रेस दिव्यांका की मौत

चंडीगढ़। हरियाणवी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से दुखद खबर है। एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही का 30 की उम्र में निधन हो गया है। बताय गया है कि गत 21 अप्रैल 2026 देर रात उत्तर प्रदेश स्थित एक्ट्रेस के घर पर उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा था। परिवार वाले अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री पर की सख्त टिप्पणी

ममता ने लोकतंत्र को खतरे में डालने सिस्टम का इस्तेमाल किया, जांच के बीच में क्यों घुसीं?

I-PAC

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि यह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जो मुख्यमंत्री भी हैं और जिन्होंने लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए पूरे सिस्टम का इस्तेमाल किया है। उल्लेखनीय है कि बंगाल में विधानसभा चुनाव भी चल रहे हैं और दो फेज में वोटिंग होनी है। इस साल की शुरुआत में जनवरी महीने में ईडी ने आई-पैक के कई ठिकानों पर छापे मारे थे। इस दौरान, खुद ममता आईपैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर में रेड के समय घुस गई थीं और कुछ फाइलें लेकर आ गई थीं। तब यह बड़ा राजनैतिक मुद्दा बना था। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बेनर्जी ने उस जगह से अहम सबूत हटा दिए। कोर्ट ने ममता के खिलाफ तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके कामों ने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री, किसी जांच के बीच में, किसी जगह पर इस तरह से नहीं घुस सकता।

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीएम ममता के खिलाफ कहा- यह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जिन्होंने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया

जस्टिस मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यह केवल केंद्र और राज्य के बीच का विवाद नहीं

ममता की एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने इसे सुनवाई योग्य न होने का दावा किया

आईपैक ने कानूनी कारणों से बंगाल में सभी ऑपरेशन 20 दिनों के लिए रोक दिए

संविधान बनाने वाले इस काम को मंजूरी नहीं देते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान बनाने वाले इस काम को मंजूरी नहीं देते। आपने हमें अंबेडकर के लेखों के बारे में बताया, किसी ने भी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि मुख्यमंत्री, जब कोई जांच चल रही हो, तो दफ्तर में चला जाएगा।

राज्य सरकार ने याचिका पर ही सवाल उठा दिया

राज्य ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ईडी द्वारा दायर रिट याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल उठाया है। राज्य के अधिकारियों की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने यह तर्क दिया कि यह मामला मूल रूप से राज्य और केंद्र के बीच का विवाद है, और इसलिए अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर करने के बजाय, भारत के संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत एक मुकदमा दायर किया जाना चाहिए।

ममता ने सबूत हटाए

इसमें राज्य का कौन सा अधिकार शामिल?

इस तर्क से असहमति जताते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि इसमें राज्य का कौन-सा अधिकार शामिल है? यह राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद नहीं है। आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते। किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री, किसी जांच या तफ्तीश के बीच में ही पहुंच जाता है, और आप कहते हैं कि यह असल में राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद है?

सीएम ममता ने रेड के बीच दखल दिया

आईपैक पर ईडी की रेड मामले में सीएम ममता के दखल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा है कि उन्होंने रेड के बीच दखल देकर सिस्टम को ही खतरे में डाल दिया है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई केंद्र और राज्य का झगड़ा नहीं है। हमने कभी नहीं सोचा था कि देश में ऐसा दिन भी आएगा। ममता की तरफ से पेश वकील मेनका गुरुस्वामी ने राज्य और केंद्र के बीच के एक मामले का हवाला देते हुए कहा कि ईडी को सुप्रीम कोर्ट के सामने मौलिक अधिकार लागू करने की अर्जी दाखिल करने का अधिकार नहीं है, तो जस्टिस मिश्रा ने इस पर अपनी टिप्पणी की।

दोष साबित करने वाले सारे सबूत छीन लिए

जस्टिस मिश्रा ने कहा कि यह केंद्र और राज्य के बीच का मामला नहीं है। यहां राज्य का कौन सा अधिकार शामिल है? यहां एक ऐसा मामला है जहां एक व्यक्ति जो राज्य का सीएम है, जांच के बीच में एक जगह चला जाता है, जिससे लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है? आप इसे राज्य और केंद्र सरकार के बीच का झगड़ा नहीं कह सकते।

ईडी ने तृणमूल के दो उम्मीदवारों को भेजा समन

प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने भी तटीएमसी के नेताओं के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। ईडी ने सुजीत बोस और रथिन घोष को 24 अप्रैल को उनके सामने पेश होने के लिए चौथा समन जारी किया है। सुजीत बंगाल विधानसभा चुनाव में बिधाननगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

गन्ने से जुड़ा पुराना कानून बदलेगा

सरकार का नियामक ढांचे से बदलने का प्रस्ताव, मांगे सुझाव

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्र सरकार ने 1966 के गन्ना नियंत्रण आदेश को एक व्यापक नए नियामक ढांचे से बदलने का प्रस्ताव किया है। इसमें पहली बार एथनॉल उत्पादन, डिजिटल अनुपालन और कारखानों की मंजूरी के लिए एक औपचारिक व्यवस्था को एक साथ लाया गया है। सरकार ने इस मसौदे पर 20 मई तक लोगों से सुझाव मांगे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश पर पड़ने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश भारत का 'चीनी का कटोरा' कहलाता है। अनुमानित आंकड़े के अनुसार देश का 40-50 फीसदी गन्ना उत्पादन यूपी में होता है। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के गन्ना (नियंत्रण) आदेश 2026 के मसौदे में पुराने कानून की बुनियादी संरचना को बरकरार रखा गया है। हालांकि इसमें पूरी तरह बदल चुके उद्योग के अनुरूप एक नया ढांचा तैयार किया गया है।

हरिद्वार में सनातन धर्म अपनाया

शहजाद बने शंकर, रजिया बनी सावित्री, 5 लोगों ने पहना जनेऊ

हरिद्वार। हरिद्वार में एक मुस्लिम परिवार ने स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाया। उत्तर प्रदेश के परिवार के मुखिया मोहम्मद शहजाद अब शंकर बन गए हैं और उनकी पत्नी रजिया से सावित्री। परिवार के 5 सदस्यों ने गंगा स्नान कर जनेऊ पहने। मोहम्मद शहजाद ने परिवार सहित स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाया। यह कार्यक्रम चंडीघाट स्थित ब्रह्मकुंड क्षेत्र में संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ परिवार को गंगाजल से स्नान के बाद यज्ञ कर शुद्धि प्रक्रिया संपन्न हुई। यज्ञोपवीत के बाद नामकरण संस्कार किया गया। जिसमें मोहम्मद शहजाद का नाम शंकर, पत्नी रजिया का नाम सावित्री, ज्येष्ठ पुत्री का नाम रुक्मणी, कनिष्ठ पुत्री का नाम दीक्षा और पुत्र का नाम रुद्र रखा गया।

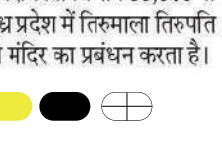

ट्रैफिक में फंसी महिला की खरी-खोटी

मंत्री महाजन ने दी सफाई, बड़ी रैली में जाम तो लग जाएगा ही

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता गिरीश महाजन को एक महिला के गुस्से का सामना करना पड़ा। मुंबई के वर्ली इलाके में एक प्रदर्शन के कारण लगे ट्रैफिक जाम से नाराज एक महिला ने मंत्री को बीच सड़क पर ही खरी-खोटी सुना दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद बुधवार को मंत्री ने अपनी सफाई दी। गिरीश ने बताया कि यह कार्यक्रम कांग्रेस के विरोध में महिला आरक्षण बिल के समर्थन में आयोजित किया गया था, जिसमें हजारों महिलाओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने स्वीकार किया कि बड़े आंदोलनों के दौरान सड़क पर लोगों को असुविधा होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जब हम कोई बड़ा मार्च निकालते हैं, तो थोड़ी परेशानी तो होती ही है। इतिहास में भी ऐसे कई बड़े आंदोलन हुए हैं जो कई दिनों तक चले थे।

सबरीमाला केस : केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में अपना रुख साफ किया

हिंदू मंदिरों पर नियंत्रण नहीं रखना चाहती सरकार

केंद्र ने कहा कि उसने केवल संविधान के प्रावधानों की व्याख्या की

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में साफ कहा कि वह मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के पक्ष में नहीं है। उसने केवल संविधान के प्रावधानों की व्याख्या की है, न कि मंदिरों पर नियंत्रण की कोई मांग की है। यह मामला सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष 'आस्था बनाम मौलिक अधिकारों' की बहस के दौरान उठा। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सबरीमाला अयप्पा मंदिर का प्रबंधन करने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने सवाल किए।

कई मंदिरों का प्रबंधन सरकार की निगरानी में हो रहा

जस्टिस बागची ने कहा कि व्याख्या एक नागरिक के दृष्टिकोण से होनी चाहिए। मेहता ने कहा कि उन्होंने हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य संप्रदायों में पाई जाने वाली विविधता का संक्षिप्त विवरण दिया है। भारत के कई राज्यों में मंदिर का प्रबंधन सरकार की निगरानी में होता है।

तमिलनाडु में 30,000 मंदिरों का प्रबंधन हो रहा

तमिलनाडु में हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग 30,000 से ज्यादा मंदिरों का प्रबंधन करता है। आंध्र प्रदेश में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रबंधन करता है।

वह विशुद्ध रूप से संवैधानिक व्याख्या थीः एसजी मेहता

मेहता ने शंकरनारायणन के तर्कों का खंडन करते कहा कि सरकार मंदिरों को बिल्कुल भी नियंत्रित नहीं करना चाहती है और उन्होंने जो उल्लेख किया वह विशुद्ध रूप से संवैधानिक व्याख्या थी, जो राज्य को किसी भी धर्म की आर्थिक, राजनीतिक और धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों का प्रबंधन करने का अधिकार देता है।

प्रतिभाओं का सम्मान, विकसित भारत का संकल्प: प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री का संबोधन

संस्कृति आईएएस के प्रतिभा सम्मान समारोह में सफल अभ्यर्थी हुए सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रयागराज में कोचिंग संस्थान संस्कृति आईएएस द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' में उत्तर प्रदेश के मा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चयनित मेधावी अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने प्रयागराज में संस्कृति आई.ए.एस. द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह- 2026' में संबोधित किया तथा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग- 2024 में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को देश और प्रदेश का भविष्य बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति द्वारा सफल अभ्यर्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने युवाओं को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि हमारे युवा देश, प्रदेश और अपने परिवारों के उज्ज्वल भविष्य के मजबूत स्तंभ हैं। आप अपने परिश्रम व प्रतिभा से राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं, यही हमारी मंगलकामना है। उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की पावन धरती का उल्लेख करते हुए कहा कि यह गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम की भूमि है, जो ज्ञान, साधना और परिश्रम की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज देशभर के प्रतियोगी छात्रों का प्रमुख केंद्र है, जहां विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में रहकर भी सफलता अर्जित करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य रखते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, गांव और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित कर रही है, जिससे योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों को उनका अधिकार मिल रहा है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सरकार कठोर कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर संस्कृति आईएएस द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए 'फंडामेंटल कोर्स' का शुभारंभ किया गया, जिसे मात्र 1 की टोकन राशि पर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस पहल की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति ने विद्यार्थियों की सफलता में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ शिक्षक गण सी.बी.पी. श्रीवास्तव, ए.के. अरुण, राजकुमार एवं के.पी. द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मान प्राप्त कर चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं संस्थान के सहयोग को दिया। उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि असफलता से निराश हुए बिना निरंतर प्रयास करते रहें, क्योंकि दृढ़ संकल्प और परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है। इस अवसर पर , सांसद प्रवीण पटेल विधायकगण गुरु प्रसाद मौर्य , दीपक पटेल के अलावा राजेश शुक्ल , निर्मला पासवान, जनप्रतिनिधिगणो एवं अन्य गणमान्यजनो की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मनरेगा श्रमिकों के लिए उत्तर प्रदेश को मिले

रू1789 करोड़, श्रमिकों का होगा जल्द भुगतान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मनरेगा के तहत केंद्रीय सरकार की पहली किस्त को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के साथ ही उत्तर प्रदेश को कुल 1789.79 करोड़ की राशि जारी की गई है। इस बजट में पिछले वित्तीय वर्ष (2025-26) की लगभग रू 1,129.55 करोड़ की लंबित राशि भी शामिल है। इससे पुराने बकाये का भुगतान आसानी से किया जाएगा। मनरेगा की मूल भावना को सुनिश्चित करते हुए राशि को अलग -अलग श्रेणियों में बांटा गया है। जिसमें अनुसूचित जाति के लिए रू 536.65 करोड़, अनुसूचित जनजातिके लिए 45.53 करोड़ एवं अन्य श्रेणियों के लिए रू 1207.60 करोड़ तय किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देश दिये है कि सभी भुगतान निर्धारित गाइडलाइन्स के अनुसार समय से किये जांय और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी को भी दोहरा भुगतान न हो। खर्च का प्रत्येक विवरण अनिवार्य रूप से 'नरेगा सॉफ्ट' पोर्टल पर दर्ज किया जाए। उप मुख्यमंत्री द्वारा लगातार निर्देशित किया जाता है कि मनरेगा योजना के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों का भुगतान समय से हो, सामग्री मद का भुगतान हो या फिर प्रशासनिक मद का भुगतान हो सभी प्रकार के भुगतान समय से किये जांए। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने निर्देश दिये हैं कि यह पूरी धनराशि 'नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड मैनेजमेंट सिस्टम' के जरिए सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित दिया है कि भुगतान 'फंड ट्रांसफर ऑर्डर' और वास्तविक खर्च के आधार पर ही किया जाए। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जी एस प्रियदर्शी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी।

हज यात्रियों की पहली उड़ान, 427 यात्री हुए रवाना

- पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का किया गया प्रयोग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ, हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने हज में यात्रा पर जा रहे हज यात्रियों को स्वागत एवं अभिनन्दन कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर हज के लिए रवाना किया। हज की पहली उड़ान से कुल 427 हज यात्री रवाना हुए, जिनमें 222 पुरूष एवं 205 महिलाएं शामिल हैं। इस मौके पर उपस्थित सभी लोगों का उन्होंने स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिनकी शान में आज यह महफिल सजी है हज की आज पहली उड़ान की शुरूआत लखनऊ से हुई है।

मंत्री श्री अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बताया है कि जब आप हज पर जाएं, हज पूरा होने के बाद, हज के दौरान जब आप दुआओं के लिए हाथ उठाएं, तो उस दुआ में अपने प्रदेश और अपने मुल्क की तरक्की की दुआएं जरूर मांगे। ऐसी गुजारिश माननीय मुख्यमंत्री जी ने तमाम हाजियों से की है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू एवं हमने खुद हज की जो पूरी ये प्रक्रिया है, हज का जो पूरा सफर है, ये पूरे सुकून और इत्मीनान से आपको मिले, इसके लिए हमने पूरी ईमानदारी से काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मुझे सऊदी भी भेजा गया था। मैं मक्का और मदीना खुद गया था और मैंने वहां जा के ग्राउंड जीरो के इंस्पेक्शन भी किये हैं। हमारी डबल इंजन की सरकार ने पूरी ईमानदारी एवं लगन से प्रयास किया है कि किसी हज यात्री को हज के दौरान कहीं कोई दिक्कत ना हो इसकी पूरी तैयारी की है। अच्छे होटल्स हमने सेलेक्ट किए हैं, रहने की अच्छी व्यवस्थाएं हमने बनाई हैं। ट्रांसपोर्टेशन के लिए भी अच्छी व्यवस्थाएं हमने बनाई है।

राज्यमंत्री अल्पसंख्यक कल्याण व अध्यक्ष उप्र. राज्य हज समिति दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि जो आपको किट दी गई है उस किट में एक स्मार्ट वॉच आपको मिला होगा। ये पहला हज है जिसमें भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इसमें इस्तेमाल पहली बार कर रहा है।

अपर मुख्य सचिव एवं निदेशक से मिला उप्र प्राथमिक शिक्षामित्र संघ

- शिक्षामित्रों की समस्याओं से कराया अवगत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा एवं निदेशक बेसिक शिक्षा प्रताप सिंह बघेल से मुलाकात की और शिक्षामित्रों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा और स्थानांतरण (मूल विद्यालय वापसी) जैसी समस्याओं से अवगत कराया। शिक्षामित्रों को कैशलेस चिकित्सा का लाभ देने संबंधी समस्त औपचारिकताएं अभी लंबित हैं। संगठन ने मांग की कि इसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे शिक्षामित्रों को समय पर उपचार मिल सके। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तिवारी गुट के अध्यक्ष एसपी तिवारी, प्रदेश संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह, विनोद वर्मा, अजीत कुमार यादव, सुशील तिवारी आदि उपस्थित रहे।

यूपी के हर जिले में सुरक्षित खून उपलब्ध

प्रगति सराहनीय: डा. राकेश गुप्ता

- सभी संचालित ब्लड सेंटरों में 100 प्रतिशत कंपोनेंट सेपरेशन की सुविधा उपलब्ध
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से देशभर में ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं की समीक्षा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। देश में ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं की समीक्षा में उप्र की उपलब्धियों को विशेष रूप से सराहा गया। राज्य में हर जिले में कम से कम एक लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर है, जिससे खून की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। राज्य के सभी संचालित ब्लड सेंटरों में 100 प्रतिशत कंपोनेंट से परेशन की सुविधा उपलब्ध है, जिससे एक यूनिट खून से कई मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। लाइसेंस अनुपालन में भी राज्य का प्रदर्शन देश के बेहतर राज्यों में शामिल है।

-फोटो-मनोज जी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बुधवार की सुबह 11 बजे राष्ट्रीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त सचिव (जन स्वास्थ्य) एवं नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (नाको) के महानिदेशक डॉ. राकेश गुप्ता ने की। समीक्षा में देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने मुख्यालयों से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

बैठक में ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं के पांच प्रमुख चरणों—लाइसेंसिंग एवं नवीनीकरण, रक्तदाता स्क्रीनिंग व रक्त संग्रह, खून से होने वाले संक्रमण (टीटीआई) की जांच और संक्रमित दाताओं का रेफरल, खून का प्रोसेसिंग, भंडारण व वितरण तथा रिपोर्टिंग एवं रिकॉर्ड-कीपिंग—की विस्तृत समीक्षा की गई।

अध्यक्षीय संबोधन में डा. राकेश गुप्ता ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश के हर जिले में सुरक्षित खून की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके तहत दिसंबर 2026 तक हर जिले में कम से कम एक ब्लड बैंक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े बायोमेट्रिक डोनर पहचान प्रणाली को लागू किया जाएगा और प्रत्येक ब्लड सेंटर के लिए हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन आईडी बनाई जाएगी। इससे रक्तदान और वितरण की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनेगी। बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने और हर नागरिक को समय पर, सुरक्षित और सुलभ खून उपलब्ध कराने के साझा लक्ष्य को दोहराया।

सीधे रोजगार से जोड़ा जाये कौशल विकास के कार्यक्रम

- मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने समीक्षा बैठक कर दिये निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य की दिशा में स्किल डेवलपमेंट सेक्टर को और अधिक प्रभावी एवं परिणामपरक बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की समीक्षा करते हुए राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कौशल विकास कार्यक्रमों को सीधे रोजगार से जोड़ा जाए, ताकि युवाओं को प्रशिक्षण के बाद तत्काल रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि योगी सरकार स्किल डेवलपमेंट को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार मानते हुए इसे उद्योगों से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। आईटीआई सुधार, इंडस्ट्री पार्टनरशिप और आधुनिक कोर्सेज के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार योग्य बनाकर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश में तेजी से बढ़ते औद्योगिक निवेश और एमएसएमई सेक्टर के विस्तार को देखते हुए स्किल्ड मैनपावर की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में कौशल विकास कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ने की यह पहल उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सचिवालय में बुधवार को आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने विभागीय योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने कहा कि स्किल डेवलपमेंट केवल प्रमाण पत्र देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका अंतिम लक्ष्य युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए।

आईटीआई आधुनिकीकरण और इंडस्ट्री लिंकिंग पर जोर बैठक में आईटीआई के व्यापक आधुनिकीकरण पर विशेष चर्चा हुई। टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण को पूरी तरह इंडस्ट्री-ओरिएंटेड बनाया जाए, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण के तुरंत बाद रोजगार मिल सके। इसके साथ ही डिलाइट इंडिया के साथ वर्चुअल प्रेजेंटेशन में नई तकनीकों के अनुरूप स्किलिंग को अपडेट करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने निर्देश दिये कि आईटीआई और कौशल विकास केंद्रों में आधुनिक उपकरण, अत्याधुनिक लैब और बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो सके। मंत्री अग्रवाल ने कौशल विकास मिशन और आईटीआई में बढ़ते ड्रॉपआउट को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके मूल कारणों की पहचान कर प्रभावी समाधान लागू किए जाएं।

सहायक आचार्य पुनर्परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी

- 28 तक ऑनलाइन ली जायेंगी आपत्तियां

प्रयागराज / लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित सहायक आचार्य परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी कर दी गई है। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://upessc.up.gov.in पर अभ्यर्थियों के अवलोकन हेतु अपलोड की है। आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी संबंधित विषय की प्रोविजनल उत्तरकुंजी का सावधानीपूर्वक मिलान कर लें।

यदि किसी प्रश्न अथवा उत्तर के संबंध में आपत्ति हो तो अभ्यर्थी केवल ऑनलाइन माध्यम से ही अपनी आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए आयोग ने "ttps://www. upessc.net/upesscqcapril2026/Login.aspx लिंक उपलब्ध कराया है। आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 22 अप्रैल से 28 अप्रैल की रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है।

प्रदेश में संगठित ढांचे से तेज हुआ नशामुक्ति अभियान

- 7 क्षेत्रीय मुख्यालयों से 75 जिलों तक पहुंचा जनजागरण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में मद्यनिषेध विभाग को अधिक संगठित, सक्रिय और जनकेंद्रित स्वरूप देने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए नशे की प्रवृत्ति, शराब सेवन और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों को चुनौती मानते हुए सरकार ने विभागीय ढांचे को मजबूत किया है। साथ ही जनजागरूकता अभियानों को गांव से शहर तक विस्तार दिया गया है। परिणामस्वरूप मद्यनिषेध विभाग केवल औपचारिक प्रशासनिक इकाई न रहकर समाज में चेतना जगाने वाला प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम, संवाद अभियान, रैलियां और सामाजिक सहभागिता आधारित गतिविधियां लगातार चलाई जा रही हैं, जिससे प्रदेश में नशामुक्त समाज की अवधारणा को मजबूती मिल रही है।

सरकार के कार्यकाल में विभाग की ओर से विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, युवा मंचों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वहीं नुक्कड़ नाटक, रैली, शपथ अभियान, पोस्टर प्रतियोगिता, सेमिनार और जनसंवाद कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है।

सरकार का उद्देश्य समाज को नशे की बुराइयों से बचाकर स्वस्थ और सक्षम बनाना है। इसी कारण मद्यनिषेध विभाग को सामाजिक उत्थान से जोड़कर देखा जा रहा है। महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण परिवारों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मद्यनिषेध विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान समय में विभाग के 7 क्षेत्रीय मुख्यालय स्थापित हैं, जिनमें लखनऊ, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ और मुरादाबाद शामिल हैं। इन क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से 75 जनपदों में मद्यनिषेध संबंधी योजनाओं, जागरूकता कार्यक्रमों और प्रचार अभियानों का संचालन किया जा रहा है। यह सुव्यवस्थित नेटवर्क प्रदेश के हर हिस्से तक सरकार की नशामुक्ति नीति पहुंचाने में भूमिका निभा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि विभागीय कार्यों के संचालन के लिए 7 क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, 6 उप क्षेत्रीय अधिकारी, 27 जिला मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी तथा 7 प्राविधिक पर्यवेक्षक तैनात हैं। इनके साथ कार्यालयी स्टाफ, वाहन चालक और सहायक कर्मचारियों की भी व्यवस्था की गई है, जिससे विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो सके। मुख्यालय स्तर पर भी राज्य मद्यनिषेध अधिकारी, उप राज्य मद्यनिषेध अधिकारी, लेखाकार, लिपिक वर्ग और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इससे योजनाओं की निगरानी, बजट प्रबंधन, समीक्षा और फील्ड स्तर तक निदेशों के प्रभावी पालन में मदद मिली है।

जोनल कान्फ्रेन्स में आज जुटेंगे कई राज्यों के कृषि मंत्री

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित 'द सेंट्रम होटल' में आगामी 24 अप्रैल को 'जोनल कान्फ्रेन्स-2026' का आयोजन किया जाना है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की ओर से की जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करना और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

इस जोनल कान्फ्रेन्स में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के माननीय कृषि मंत्रीगण प्रतिभाग करेंगे। इसके अतिरिक्त केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ एवं लद्दाख के प्रशासक तथा भारत सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी इस सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे। यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे से प्रारम्भ होकर सायं 7:30 बजे तक प्रस्तावित है।

विपक्ष ने महिलाओं की सामाजिक मजबूती को डिरेल किया : पंकज चौधरी

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेसवार्ता कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने पर सपा-कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष को घेरा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बुधवार को नोएडा में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सपा व कांग्रेस द्वारा किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध तथा परिवारवाद के संरक्षण पर हमला करते हुए कहा कि सपा-कांग्रेस जैसी पार्टियां, जो परिवारवाद की अमर बेल पर फलफूल रही हैं, इस बिल का विरोध किया और इसके फेल होने का जश्न मनाया। इन पार्टियों ने इस बिल का विरोध नहीं किया बल्कि इसके पीछे इन्होंने महिलाओं के जीवन में आने वाले ऐतिहासिक बदलाव का विरोध किया है। महिलाओं की सामाजिक मजबूती को डिरेल किया है। मोदी से नफरत करते ये लोग इतने बदहवास हो चुके हैं कि महिलाओं को उनके हक से वंचित करने का उत्सव मनाने पर उतारू हो गए। इन लोगों को पता है कि महिलाएं संभालेंगी जिम्मेदारी, तो खत्म होगी पारिवारिक यारी।

पंकज चौधरी ने कहा कि नोएडा सिर्फ उत्तर प्रदेश का नहीं बल्कि देश का सबसे तेज प्रगति करने वाला शहर है। इस औद्योगिक नगरी में हजारों कंपनियां, उद्योग-धंधे मौजूद हैं। राज्य की तरक्की का रास्ता इस शहर से होकर गुजरता है। ये तरक्की सिर्फ पुरुषों की बदौलत नहीं है। इस तरक्की में आधी भागीदारी महिलाओं की भी है। चौधरी ने जोर देते हुए कहा, 2017 से पहले के हाल से हम सब वाकिफ हैं, शहरों में खुलेआम छेड़खानी आम बात थी। बहन- बेटियां बाहर निकलती थीं, तो परिवार वाले तब तक चिंतित रहते थे, जबतक वह सकुशल वापस न आ जाएं। गुंडे, माफिया, अपराधियों को लाल टोपी वालों का नैतिक समर्थन हासिल था, गुंडों के सामने प्रशासन नतमस्तक रहता था।

पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश में आए बदलाव पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश में 2017 में हमारी सरकार बनी, तब बदलाव दिखना शुरू हुआ। शहरों में बहन- बेटियों और कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए गए, प्रशासनिक जवाबदेही और सतत निगरानी बढ़ी तो शहरों का रंगरूप बदल गया।

उन्होंने कहा, अब नोएडा को देखिए, यहां की आईटी कंपनियों, स्टार्टअप, उद्योगों में बड़ी संख्या में बहन- बेटियां और महिलाएं काम करती हैं। डबल इंजन सरकार के प्रयासों से बीते नौ साल में राज्य में कामकाजी महिलाओं की संख्या 36-37 प्रतिशत हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प पर बोलते हुए चौधरी ने कहा कि देश में राज्य में महिलाएं खूब आगे बढ़ें, सामान्य परिवार की महिलाएं भी विधायक-सांसद बन सकें, इसके लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार महिला आरक्षण संशोधन विधेयक लेकर आई क्योंकि हमारा संकल्प है कि सशक्त नारी, समृद्ध समाज,

महिला आरक्षण से नया आगाज: तीन तलाक कानून का जिक्र करते हुए उन्होंने सपा समेत विपक्ष के अन्य दलों को आइना दिखाते हुए कहा कि ये लोग मुस्लिम महिलाओं के फर्जी पैरोकार बन रहे है तब मुस्लिम महिलाओं के प्रति इनकी संवदेना कहां गई थी जब इन लोगों ने तीन तलाक कानून का विरोध किया।

जीएसटी चोरी का बड़ा खेल उजागर, गिरोह का भंडाफोड़

1.30 करोड़ के फर्जी लेनदेन का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद पुलिस ने जीएसटी चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरोह द्वारा करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपये के फर्जी लेनदेन किए जाने का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में 4 अक्टूबर 2025 को सहायक आयुक्त राज्य कर खंड-18, अयोध्या निवासी रामनरेश वर्मा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि 'सूरज इलेक्ट्रिकल सप्लायर' नाम से गोपालपुर मड़वाना, लखनऊ के पते पर एक फर्जी और अस्तित्वविहीन फर्म बनाकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की जा रही थी।

पुलिस के मुताबिक गिरोह के सदस्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को लालच देकर उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते और मोबाइल नंबर जैसे जरूरी दस्तावेज हासिल कर लेते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर फर्जी कंपनियां बनाकर जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराया जाता था। इसके बाद आरोपी फर्जी बिल और इनवॉइस तैयार कर इनपुट टैक्स क्रेडिट का गलत फायदा उठाते थे और कमीशन पर आईटीसी बेचकर पूरे कारोबार को कागजों में वैध दिखाते थे, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान पहुंचता था।

जांच के दौरान रहीमाबाद पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने रविन्द्र गिरि (35 वर्ष) निवासी ग्राम दरेरी, थाना पड़ौंहा, जनपद लखीमपुर खीरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन (आईफोन 15, सैमसंग गैलेक्सी F13 इंफिनिक्स X6825) और 710 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह के अन्य सदस्य अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। इस संबंध में थाना रहीमाबाद में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षेप

पुरानी रंजिश को लेकर महिला को लाठी डंडों से पीटा

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज करने लगे बिरोध किया तो पत्नी और बेटियों के साथ मिलकर लाठी डंडे से हमला कर दिया जिससे वह गभीर रूप से घायल हो गयी जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया पीडिता की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के चेतानी खेडा गांव निवासी रामा पत्नी गनेशी लोध ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार की सुबह घर के बाहर दरवाजे पर साफ-सफाई कर रही थी इसी बीच पडोसी प्रकाश पुत्र केशन उसे देख कर गाली-गलौज करने लगा बिरोध किया तो पत्नी गुलाबो बेटी आरती व मालती के साथ मिलकर लाठी डंडे और लात घूसों से पिटाई कर दी जिससे वह गभीर रूप से घायल हो गयी इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि पीडिता की तहरीर पर चार के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

उन्नाव। लखनऊ कानपुर हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल हो गए। एनएचएआई एम्बुलेंस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया।अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भौली गांव निवासी अखिलेश कुमार 45 पुत्र राजाराम पत्नी शैल कुमारी को लेकर बाइक से बुधवार सुबह नवाबगंज आया था। काम निपटाने के बाद वह बाइक में पेट्रोल डलाने भल्लाफार्म स्थित पंप गया था। लौटने के दौरान टोल प्लाजा के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दंपति घायल हो गये। एनएचएआई एम्बुलेंस से ईएमटी अंकुर यादव ने घायलों को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

पुरानी रंजिश को लेकर की मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत पुरानी रंजिश को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी डंडों व धारदार हथियार से हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के पोरई गाँव निवासी मोतीलाल पुत्र किशुन ने तहरीर देते हुए बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर मंगलवार शाम रामदीन अपनी पत्नी बिटोला के साथ मेरे घर कुल्हाड़ी व डंडे के साथ आया और अकारण ही गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया । मुझे बचाने आये पत्नी व नाती को भी जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया पीड़ित का मेडिकल उपरान्त मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस दम्पत्ति को 'कर्मयोगी सम्मान' : उत्कृष्ट पुलिस सेवा, सामाजिक सरोकार और 'ग्रीन एंड क्लीन यूपी' अभियान के लिए मिला सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में उत्कृष्ट पुलिस सेवा, सामाजिक सरोकार और 'ग्रीन एंड क्लीन यूपी' अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए ग्राम पटियारा के राम स्वरूप आश्रम (बुढवा बाबा) में राष्ट्रीय पत्रकार सभा द्वारा आयोजित 'कर्मयोगी सम्मान समारोह' में पुलिस दंपति अनूप मिश्र अपूर्व (प्रभारी - पुलिस कंट्रोल रूम) और उनकी पत्नी सब इंस्पेक्टर रीना पाण्डेय को कार्यक्रम संयोजक एवं चेयरमैन श्रवणकुमार पाण्डेय द्वारा प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पत्रकार सभा द्वारा संयोजित भव्य धार्मिक अनुष्ठान में देवी जागरण, झाँकी और कर्मयोगी सम्मान समारोह के आयोजन का उद्देश्य समाज सेवा, सुरक्षा और जनकल्याण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों, सामाजिक हस्तियों और पत्रकारों को सम्मानित करना था। सम्मान ग्रहण करने के बाद अनूप मिश्र अपूर्व और रीना पाण्डेय ने बताया कि उन्नाव के शिक्षक एवं समाजसेवी प्रदीप कुमार वर्मा के साथ मिलकर उन्होंने 'ग्रीन एंड क्लीन उन्नाव' अभियान शुरू किया था। यह अभियान अब 'ग्रीन एंड क्लीन यूपी' के रूप में पूरे प्रदेश में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के हजारों शिक्षक अपने विद्यालयों और गांवों को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं, जो सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। कार्यक्रम में मौजूद पंकज गुप्ता (सदर विधायक) एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने पुलिस दंपति की इस प्रतिबद्धता की सराहना की और इसे सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया ह्न पी.एस.पी.एस.ए. के जिला महामंत्री, मांडलिक मंत्री और ग्रीन एंड क्लीन यूपी के मुख्य सह-संयोजक प्रदीप कुमार वर्मा ने अनूप मिश्र एवं रीना पाण्डेय को बधाई देते हुए कहा कि समाज में बदलाव वही ला सकता है, जो निस्वार्थ भाव से सेवा और जनहित के लिए कार्य करे। प्रदीप वर्मा ने कहा कि पुलिस दंपति का यह सम्मान सामाजिक कार्यों के प्रति उनके दृढ़ संकल्प का परिचायक है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर उनके संयुक्त प्रयास अब एक जनांदोलन का रूप ले चुका है ह्न

पराली की आग से 65 बीघा फसल राख, दमकल देरी से पहुंची

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भौली, कुंजपुर और दुंदपुर गांव में पराली जलाने की घटनाओं ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया। तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 65 बीघा खड़ी फसल जलकर राख हो गई। कई किसान अपनी मेहनत की फसल को जलते हुए दूर से देखने को मजबूर रहे।

जानकारी के अनुसार भौली गांव के भावल देवी हार में दोपहर के समय एक किसान द्वारा खेत में पराली जलाने से आग भड़क उठी। हवा के झोंकों ने आग को आसपास के खेतों तक फैला दिया। देखते ही देखते शिवकुमार, दीवान, सर्वेश सिंह, केशन सिंह, सीताराम, कमलेश और गुड्डू समेत दर्जनों किसानों की करीब 65 बीघा फसल जलकर नष्ट हो गई।

वहीं कुंजपुर गांव में भी पराली जलाने से आग फैल गई, जिसमें किसान राकेश, देशराज, राजू, अमृतलाल, रामबालक और राकेश की करीब 10 बीघा फसल और भूसा जल गया। ग्रामीणों ने हरे पेड़ों की डालियां और मिट्टी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड देर से पहुंची और तब तक अधिकांश फसल जल चुकी थी। दमकल की गाड़ी बाद में कुंजपुर गांव पहुंची।

उधर दुंदपुर गांव में अज्ञात कारणों से जंगल में आग लग गई। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे ने बताया कि वहां केवल पेड़ जले हैं, फसल को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

कोतवाली निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि अभी तक किसी किसान की ओर से पराली जलाने वाले के खिलाफ तहरीर नहीं दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

पृथ्वी दिवस पर जागरूकता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा पहल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। विकासखंड क्षैत्र के प्राथमिक विद्यालय करौदी में 22 अप्रैल 2026 को पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने ड्राइंग गतिविधि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। "Our Power, Our Planet" थीम पर बच्चों ने पेड़ बचाओ, जल संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षक विद्या सागर द्वारा सम्मानित किया गया।बढ़ती गर्मी को देखते हुए विद्यार्थियों को धूप से बचाव हेतु उनके द्वारा कैप वितरित की गई तथा उन्हें पर्याप्त पानी पीने और तेज धूप से बचने के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है और अभिभावकों से भी इस दिशा में सहयोग की अपेक्षा है।

नवागत जिलाधिकारी ने कार्यभार किया ग्रहण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवागत जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बुधवार को कोषागार पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिले की प्रशासनिक व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का निर्देश दिया, ताकि आम जनता को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।जिलाधिकारी ने विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चल रही परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जाए और उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जिले में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने के लिए कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। मीणा ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभागों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और उनका समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए। बताया गया है कि घनश्याम मीणा इससे पहले हमीरपुर जिले में जिलाधिकारी के पद पर तैनात थे। हमीरपुर में उन्होंने कई प्रशासनिक सुधार और विकास कार्यों को सफलतापूर्वक लागू किया था। उनके अनुभव का लाभ अब उन्नाव जिले को मिलने की उम्मीद है।

चार वर्ष पूर्ण होने पर शिक्षकों ने बीईओ को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड क्षेत्र में चार वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर शिक्षकों द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित कर बीईओ अनीता साह को सम्मानित किया गय शिक्षकों को संबोधित करते हुए अनीता साह ने कहा शिक्षक ज्ञान के प्रकाशपुंज और राष्ट्र निमार्ता होते हैं, जो न केवल किताबी ज्ञान देते हैं बल्कि चरित्र निर्माण कर भविष्य को दिशा दिखाते हैं। वे अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर जीवन में सही-गलत का भेद सिखाते हैं, इसलिए उनका सम्मान सर्वोच्च है शिक्षक संजीव संख्वार व अमित तिवारी ने बीईओ के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपका समर्पण और कुशल नेतृत्व वास्तव में प्रेरणादायक है, जो सभी को हर चुनौती में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करता है।ह्न संजीव संख्वार, अमित तिवारी,प्रदीप वर्मा अमरेंद्र सिंह, अनूप साहू, विवेक पाल, शिव प्रताप सिंह, जगदीप शुक्ला, कुलदीप विमल, राजेश साहू आदि ने शुभकामनाएं दीं

सरकारी स्कूलों में अधिक गर्मी एवं लू से व्याकुल हो रहे शिक्षक एवं छात्र छात्राएं

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव । मौसम ने आग उगलना शुरू कर दिया सुबह नौ बजे से ही गर्मी और लू का प्रकोप जारी हो जाता है।

ऐसे में तमाम शिक्षक और शिक्षिकाओं को अपने घर से निकलकर चालीस पचास किलोमीटर दूर तक सरकारी तथा डग्गामार वाहनों से आना जाना पड़ता है।

और उस पर सितम यह कि विद्यालय पहुंचने पर बिजली नहीं आने की दशा में क्लास रुम में टंगे पंखे मुंह चिढ़ाते हुए दिख जाते हैं। विद्यालय के समय बिजली का गायब लगभग हर दिन का मसला बना हुआ है।

एक ओर तो शिक्षकों के ज़िम्मे ऑफ लाइन और ऑनलाइन के इतने काम रहते हैं कि वो बच्चों को ढ़ंग से पढ़ा नहीं सकते।

और जब पढ़ाना शुरू करते हैं तो गर्मी में बिजली के न होने से शिक्षक तथा छात्र - छात्राएं गर्मी से व्याकुल रहते हैं।

तमाम शिक्षक एवं शिक्षक नेताओं का कहना है कि इतने दिनों से विद्यालयों के समय में परिवर्तन किए जाने के लिए ज़िला स्तर से शासन स्तर तक मांग की जा रही है, लेकिन स्थित आज भी जैसी की तैसी है।

शिक्षकों का कहना है कि यदि हमें भी आने जाने के लिए ए.सी गाड़ियां ठंडे क्लासरुम मिलें और घर से नजदीक के विद्यालय मिले तो हम लोग भी पूर्व की भांति 7 से 12 बजे तक विद्यालयों का समय किए जाने की मांग न करें।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उन्नाव ने ज्ञापन भी दिया लेकिन अधिकारियों पर कोई फर्क नहीं।

उन्नाव के जनप्रतिनिधि स्थानीय प्रतिनिधि, जनता के हित चिंतक न होकर अंतरराष्ट्रीय नेता बने घूम रहे हैं।जनता की समस्याएं और उनकी जरूरतें भगवान भरोसे।जब तक किसी विद्यालय से कोई अप्रिय समाचार नहीं आएगा, तब तक उन्नाव के अधिकारी और जनप्रतिनिधि नींद से नहीं जागेंगे !

सूखे पड़े तालाब पोखरों में जल भराव कराने की मांग

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। भीषण गर्मी के चलते निराश्रित जीव-जंतुओं के सामने पेयजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। इस समस्या को लेकर नगर के मोहल्ला चौघड़ा निवासी प्रमुख समाजसेवी चंद्रकांती यादव ने जिला अधिकारी को पत्र भेजकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि तहसील क्षेत्र के अधिकांश तालाब और पोखर सूख चुके हैं। जिससे पशु-पक्षियों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।पत्र में उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सूखे पड़े तालाबों और पोखरों में शीघ्र शुद्ध जल भरवाया जाए। ताकि जीव-जंतुओं को राहत मिल सके। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों तथा गौशालाओं के आसपास पक्के हौज बनवाकर नियमित रूप से स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए।

समाजसेवी चंद्रकांती यादव ने कहा कि भीषण गर्मी में जल संकट केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि बेजुबान जीवों के लिए भी जानलेवा साबित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल ठोस कदम उठाने की अपील की है। ताकि समय रहते इस समस्या का समाधान हो सके और पशु-पक्षियों की जान बचाई जा सके।

आग की चपेट में आने से कारखाने में लगे सोलर पैनल जले

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। तहसील पाटन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अढौली निवासी पूर्व प्रधान वीरेंद्र शर्मा के पुत्र मनोज कुमार चक्की कारखाना में सोलर पैनल लगवाए हुए हैं मंगलवार दोपहर चक्की कारखाना के बगल में लगे भूसे में अचानक आग लग गई जब तक लोग कुछ समझ पाते जब तक आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी लेकिन जब तक आग बुझाने की गाड़ी पहुंचती जब तक ग्रामीण कड़ी मशक्कत करके आग पर काबू पा लिया चक्की कारखाना के छत पर लगे सोलर पैनल आग की चपेट में आ जाने से 20 पैनल पूर्ण रूप से जल गए वहीं 12 पैनल झुलस गए सूचना पर मौके पर पुलिस 112 थाना प्रभारी बीघापुर राजस्व टीम मौके पर पहुंची ग्रामीणों ने बताया कि जानवरों का भूसा अधिक होने के कारण आग बुझाने में समय लग गया व सोलर पैनल लगभग चार लाख रुपए का नुकसान हुआ है

रुपयों को लेकर पति पत्नी के बीच हुआ विवाद पति ने निगला जहरीला पदार्थ

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जेब से पैसै गायब होने से पत्नी से झगड़ कर पति ने निगला जहरीला पदार्थ हालत गंभीर देख परिजनों ने सीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराया है जहां पर उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कोतवाली क्षेत्र के सराय मलकादिम निवासी राजन सिंह (30) पुत्र घनश्याम सिंह की पैंट की जेब से बुधवार को सुबह करीब सात बजे चालीस रुपए गायब हो गए जिसको लेकर राजन सिंह अपनी पत्नी पर जेब से पैसे निकालने का आरोप लगाते हुए झगड़ा करने लगा दोनों में हुई कहा-सुनी के बाद राजन सिंह ने बाग की धुलाई करने वाला जहरीला पदार्थ निंगल लिया हालत बिगड़ते देख परिजनों को जानकारी हुई तब भाई विनोद सिंह व पिता घनश्याम सिंह ने राजन सिंह को बुधवार सुबह मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टर डी नाथ द्वाराउप्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया हुआ।

लिंक मार्ग के किनारे आराम कर रहे वृद्ध की सड़क दुर्घटना में मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लिंक मार्ग के किनारे आराम फरमा रहे एक किसान को बाइक ने टक्कर मार दी। जिसमें किसान गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। अचलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मवैया लायक निवासी 65 वर्षीय किसान जगरूप मंगलवार की रात गेहूं काटने खेत गया था। गेहूं कट जाने के बाद वह मवैया गड़सर मार्ग पर सड़क के किनारे लेट कर आराम करने लगा। इसी दौरान उधर से निकल रही तेज रफ्तार वैन आगे जा रहे बलिया खेड़ा निवासी पप्पू की बाइक में टक्कर मार दिया। जिसमें बाइक अनियंत्रित होकर जगरूप के ऊपर जा गिरी जिससे जगरूप व पप्पू दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए जहां से जगरूप को हैलेट रेफर कर दिया गया। जगरूप को हैलेट ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।मृतक जगरूप के एक बेटा व तीन बेटियां है। सभी की शादी हो चुकी है। एस ओ ब्रजेश कुमार शुक्ल ने बताया कि मृतक के पुत्र शैलेन्द्र की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार के कस्बा भगवंत नगर में वैवाहिक घर मे रखवाली करने गए ब्यक्ति की अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दिए जाने से मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।कस्बा भगवंतनगर के वार्ड नं०8 के निवासी प्रताप नारायण त्रिवेदी (डॉ राज) के लड़के की बारात वाराणसी गयी हुई थी। घर की रखवाली करने के लिए वार्ड नं 8 के ही निवासी सूरजदीन पुत्र मैकू 70 वर्ष को रखा गया था। बुधवार शुबह 4 बजे सूरजदीन घर से बाहर पेशाब करने के लिए निकला तभी अज्ञात वाहन के जोरादर टक्कर मार दिए जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों व परिजनों की मदद से उसे सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहा डॉक्टरो ने गभीर स्थिति देख जिला अस्तपाल रिफर कर दिया जहा रास्ते मे ही उसकी मौत हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। दिवंगत के पाँच लड़के व एक विवाहित लड़की है। दो लड़कों की शादी अभी नही हुई है। पत्नी जानका देवी अपनी पति का शव देख बेहाल हो गयी। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया परिजनों ने अभी तहरीर नही दी है। तहरीर उपरान्त विधिक कार्यवाही की जाएगी।

क्षेत्रीय विपणन निरीक्षक 9 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

गेहूं तौल के बदले मांगे थे 100 रुपये प्रति क्विंटल, एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, एंटी करप्शन टीम ने तिलहर मंडी के क्षेत्रीय विपणन निरीक्षक मुनेंद्र नाथ पटेल को 9 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक किसान से गेहूं की तौल के बदले प्रति क्विंटल 100 रुपये की मांग की थी। किसान सौरभ सिंह ने सरकारी दर पर गेहूं तौलने के लिए संपर्क किया था। आरोप है कि निरीक्षक मुनेंद्र नाथ पटेल ने उनसे गेहूं की तौल के लिए प्रति क्विंटल 100 रुपये मांगे। किसान रिश्वत देने को तैयार नहीं था, जिसके बाद उसने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। शिकायत के आधार पर एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को जाल बिछाया। पीड़ित किसान 90 क्विंटल गेहूं लेकर आया था और 9 हजार रुपये रिश्वत के तौर पर अधिकारी को देने पहुंचा। जैसे ही उसने रुपये दिए, टीम ने मुनेंद्र नाथ पटेल को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

दस हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को कटरा थाने ले गई, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीओ तिलहर ज्योति यादव ने बताया कि उन्हें एंटी करप्शन टीम द्वारा क्षेत्रीय विपणन निरीक्षक की गिरफ्तारी की जानकारी मिली है और कटरा थाने में लिखापढ़ी जारी है। बता दें कि, सोमवार को एंटी करप्शन टीम ने बीएसए कार्यालय में जिला समन्वयक निश्चय सिंह और कंप्यूटर आपरेटर अरुण कुमार को एक शिक्षिका से अनुपस्थिति पत्रावली का निस्तारण के बदले दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

सम्पादकीय

सड़कों को न बनने दें 'मौत' का गलियारा

देश में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या अब एक सामान्य बात नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारी प्रशासनिक व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग और कानून के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी ताजा निर्देश केवल कानूनी आदेश नहीं, बल्कि एक चेतावनी हैं। यह चेतावनी उस सिस्टम के लिए है, जिसने सड़कों को सुरक्षित बनाने के बजाय कई जगहों पर उन्हें मौत का गलियारा बनने दिया। अदालत ने साफ कहा है कि एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे "खतरे के गलियारे" नहीं बनने चाहिए। यह टिप्पणी यूं ही नहीं आई। इसके पीछे वे दर्दनाक हादसे हैं, जिनमें एक ही दिन में दर्जनों लोगों की जान चली जाती है। राजस्थान, हरियाणा, यूपी और तेलंगाना की हालिया घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी सड़कों पर खतरा केवल वाहन चलाने की गलती से नहीं, बल्कि अव्यवस्थित सिस्टम और लापरवाही से भी पैदा होता है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि देश की कुल सड़क लंबाई में नेशनल हाईवे का हिस्सा महज 2% है, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 30% है। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि समस्या कितनी गहरी है। हाईवे, जो तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए बनाए जाते हैं, वही सबसे ज्यादा जानलेवा साबित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा-निर्देश दिए हैं, वे इस समस्या के मूल कारणों को संबोधित करते हैं। भारी और कमर्शियल वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग पर रोक, अवैध ढाबों और निर्माणों को हटाने का आदेश, एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए निगरानी। ये सभी कदम न केवल जरूरी हैं, बल्कि लंबे समय से लंबित भी थे। खासकर हाईवे के किनारे अवैध निर्माण और बिना योजना के विकसित ढाबे, अक्सर हादसों का बड़ा कारण बनते हैं, लेकिन भारत में समस्या आदेशों की कमी नहीं, उनके क्रियान्वयन की है। पहले भी सड़क सुरक्षा को लेकर कई गाइडलाइंस और नियम बनाए गए, लेकिन उनका असर सीमित ही रहा। कारण साफ है, जिम्मेदार एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी और जवाबदेही का अभाव। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राज्य पुलिस, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन इन सभी की भूमिकाएं स्पष्ट हैं, लेकिन जब हादसा होता है, तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। अदालत ने इस बार टास्क फोर्स और एसओपी के जरिए इस कमी को दूर करने की कोशिश की है। केवल सिस्टम लगाना पर्याप्त नहीं, उसका सही उपयोग और नियमित निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। सड़क सुरक्षा को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भी अधूरा दृष्टिकोण है। इसमें आम नागरिकों और वाहन चालकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ट्रैफिक नियमों का पालन, ओवरस्पीडिंग से बचाव और सड़क पर अनुशासन, ये सभी पहलू हादसों को कम करने में मदद कर सकते हैं, लेकिन यह भी सच है कि जब सिस्टम ही अव्यवस्थित हो, तो व्यक्तिगत सावधानी भी कई बार पर्याप्त नहीं होती। हाईवे केवल विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व भी हैं। अंततः, सड़कें केवल दूरी कम करने का माध्यम नहीं होतीं, वे जीवन से जुड़ी होती हैं। अगर इन सड़कों पर सफर करना जोखिम भरा हो जाए, तो विकास का पूरा मॉडल ही सवालों के घेरे में आ जाता है। इसलिए जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को सख्ती से लागू किया जाए और सड़क सुरक्षा को नीतिगत प्राथमिकता बनाया जाए, क्योंकि हर हादसा सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक परिवार की अपूरणीय क्षति होती है और इसे रोकना ही असली जिम्मेदारी है।

मुद्दा
अवधेश कुमार

महिला आरक्षण की फिर वही परिणति

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है, जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो, निष्कर्ष यही है, वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है, किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता।

लगभग 12 वर्षों के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है, जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो, निष्कर्ष यही है, वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है, किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता।

इसके लिए हमें 2034 की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। दरअसल, 2023 के अधिनियम में यह प्रावधान था कि अगली जनगणना और फिर परिसीमन हो जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा। तब अनुमान यह था कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया 2029 तक पूरी हो चुकी होगी, इसलिए इसे लागू करने में समस्या नहीं होगी। चूंकि यह पूरी नहीं हुई तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे संविधान संशोधन के जरिए तत्काल लागू करने का रास्ता चुना। पूरे प्रकरण का कठोर सच यह है कि इन तीनों विधेयकों में ऐसा कुछ नहीं था, जिसको आशंका की दृष्टि से देखा जाए और जिसका इस सीमा तक विरोध हो कि काले झंडे और काले बिल्ले तक पार्टियां व सांसद लगा लें। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा की सीटों की अधिकतम संख्या को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान करता था। इनमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें थीं। दूसरा,परिसीमन विधेयक, 2026 नई जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए परिसीमन आयोग के गठन का प्रावधान करता था। तीसरा, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए था। विपक्ष का मुख्य विरोध पहले विधेयक से था।

वस्तुतः संसद का विशेष सत्र आरंभ होने के पहले ही विपक्ष ने अविश्वसनीय रूप से विरोधी रुख अपनाकर अपने संसदीय व्यवहार का संकेत दे दिया था। विपक्ष के सभी नेताओं ने, जिनमें महिला सांसद भी शामिल हैं, नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन संबंधी विधेयकों का जैसा विरोध किया, उसमें साफ हो गया कि इसका पारित होना संभव नहीं है। भाजपा के मंत्रियों ने विपक्ष के नेताओं से बात करनी शुरू की। स्वयं प्रधानमंत्री ने दो पोस्ट से अपील की। इसके पहले वे अपने भाषण में अपील कर चुके थे कि श्रेय आप लोग ले लीजिए, लेकिन महिला आरक्षण में बाधा मत बनिए, लेकिन विपक्ष पहले से मन बनकर बैठा था। उन्होंने अपनी अपील में लिखा कि अपने घर में मां-बहन, बेटी -पत्नी सबको देखिए और उनके अधिकार के लिए विचार कर मतदान करिए। निष्पक्ष होकर विवेक, तथ्य और तर्क के साथ विचार करने वालों का निष्कर्ष है कि पूरा विरोध एकपक्षीय अतिवाद से ग्रस्त रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो इसे देश विरोधी और देश को बांटने वाला विधेयक तक करार दिया। उन्होंने कहा कि ये देश

का भूगोल बदलना चाहते हैं, जो हम कभी नहीं होने देंगे। इससे अधिक अतिवादी वक्तव्य और कुछ नहीं हो सकता। अगर इरादा विधेयक पर बहस कर इसमें उचित संशोधन करना हो तो आपके भाषण में उससे संबंधित सुझाव होते हैं। सरकार की राजनीतिक आलोचना में समस्या नहीं है, किंतु पूरी बहस सामान्य आलोचना ही नहीं, विधेयक के विषय वस्तु से भी काफी दूर चला गया था। प्रश्न उठाया जा रहा था कि आखिर 850 सीटों का आपका आधार क्या है? इसी तरह के दक्षिण के राज्यों को इसमें नजरअंदाज किया जा रहा? बजट सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत शुरू की तो बताया होगा कि हर राज्य की 50% लोकसभा एवं विधानसभा की सीटें बढ़ाने का फार्मूला तय हुआ है। आज परिसीमन हो तो लोकसभा एवं विधानसभाओं की कितनी सीटें बढ़ सकतीं हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से 120 हो रही हैं तो तमिलनाडु की 39 से 59। इसी तरह अन्य राज्यों के भी विवरण दिए गए। हंगामा इस पर भी था कि 2011 की जनगणना को आधार क्यों बनाया गया? गृह मंत्री का उत्तर था कि 2011 की जनगणना का आधार बनाते तो तमिलनाडु की सीट केवल 49 होती। यहां दो बातें समझने की हैं। एक, वर्तमान 543 सीटों में 33% आरक्षण क्यों नहीं दिया गया? 2023 में जब विधेयक पारित हुआ तभी उसमें जनगणना और परिसीमन का प्रावधान था। विपक्ष ने विरोध क्यों नहीं किया? 1996 से उसके विरोध के पीछे सबसे बड़ा कारण यही था कि आपसी बातचीत में नेता बोलते थे कि 543 में से 33% महिलाओं को मिल गया तो अनेक पुरुष नेताओं को घर बैठ जाना पड़ेगा और राजनीति का नाश हो जाएगा। पिछड़ों के आरक्षण आदि का बहाना बनाया गया, तो पुराने अनुभवों का ध्यान रखते हुए मोदी सरकार ने रास्ता निकाला कि 543 सीटें जस की तस रहें और बढ़ी 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, सहमति हुई तभी 2023 में कानून बन सका।

आज यह तर्क देने वाले अपनी सरकारों में इसके लिए तैयार नहीं थे। 1996 में विरोध करने वाले उस संयुक्त मोर्चा सरकार के साथी थे तो 2008 से 2010 तक विरोध करने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साथी। इनमें समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कुछ समय तक जनता दल यूनाइटेड अग्रणी रहे। दूसरे दलों के सांसद भी साथ देते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 1998 और 1999 में महिला आरक्षण विधेयक चलाया किंतु आम सहमति नहीं बन सकी। 2010 में राज्यसभा में भाजपा के समर्थन से विधेयक पारित हुआ, किंतु उनके साथी दलों ने विरोध किया और लोकसभा में पारित करना मुश्किल था। दूसरे, हर 10 वर्ष पर संविधान लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों के जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का प्रावधान करता है। 1971 तक नियमित होता रहा। 1976 में आपातकाल के समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार ने 42वां संशोधन कर 2001 तक लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटें न बढ़ाने का प्रावधान कर दिया। अगर दल वाकई महिला आरक्षण के पक्ष में होते तो विरोध जताते हुए कुछ संशोधन डालकर पारित कर देते। सीटों की संख्या की लिखित गारंटी के प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि आप विधेयक पारित करते हैं तो हम नया संशोधन सीटों की संख्या डालकर पेश करने को तैयार हैं।

वास्तव में कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को दिखाना था कि हम संसद में नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित कर सकते हैं। किसी नेता ने महिलाओं को आरक्षण न मिलने पर अफसोस प्रकट नहीं किया। महिलाओं के आरक्षण पर विरोधियों का जो रुख हमने 1996 से देखा, लगभग वही अलग रूपों में फिर संसद में था और इसी की परिणति विधेयक के गिरने के रूप में सामने आई।

आधी दुनिया

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सत्ता में महिलाओं की भागीदारी वैश्विक औसत से बहुत दूर

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी ओर विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताया है। हालांकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर, यह अलग बहस का विषय हो सकता है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो हमारे देश का स्थान 147वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष हैं तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं, जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं, वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं, जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती-जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी ओर करने की रही है। यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहें या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें, पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक बढ़ नहीं पाई है। 2009 की 15वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी आगे नहीं पहुंचा था। 15वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो उसकी भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। राज्यों ककी बात करें तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में हैं। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य हैं।

त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य हैं। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं हैं। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है, जहां सबसे कम महिला सदस्य हैं। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य हैं। इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी, तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता-जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं हैं, जहां महिलाओं की सीटें आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है।

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

संकलित
दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

एक लकड़ी का कटोरा

संकलित
प्रेरणा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु-बेटे के यहां शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। बूढ़ा पिता वहीं अकेले में बैठ कर अपना भोजन करने लगा, यहां तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने जमीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखा- तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आँखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत की धरोहरों को और निखारने की जरूरत

दुनिया भर में विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मेन्यूमेंट्स एंड साइट्स ने इसकी शुरुआत की थी। जब इस दिवस को यूनेस्को ने मंजूरी दी थी, तब से यह दिवस हर वर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों की संभाल करना और इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना भी है। हमारे देश में भी बहुत सी ऐसी धरोहरें हैं जो दुनिया के आकर्षण का केंद्र हैं। इनमें मुख्यतः अजंता एलोरा की गुफाएं, दिल्ली का कुतुब मीनार व आगरा का ताजमहल इत्यादि शामिल हैं। और भी ऐसी बहुत सी धरोहरें हैं। भारत की धरोहरों को और निखारने की जरूरत भी है। ये धरोहरें देश की सभ्यता- संस्कृति की पहचान करवाती हैं। - मिलिंद जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

महिला आरक्षण कानून

डीएमके, कांग्रेस और टीएमसी ने संसद में 33% महिला आरक्षण कानून को पारित नहीं होने दिया, लेकिन हम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण अवश्य प्रदान करेंगे।
- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

बंगाल में दयनीय स्थिति

बंगाल में हत्या के प्रयास के मामले दर्ज किए गए है, जबकि एसिड अटैक, बाल अपराध, बलात्कार, डकैती, लूट और चोरी की घटनाएं पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक हो रही है। "मां, मा और मिट्टी" की बात करने वाली ममत दीदी ने इन स्थितियों को बेहद दयनीय बना दिया है।
- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

तमिल पहचान की रक्षा

परिसीमन भाजपा द्वारा संसद में तमिलनाडु, दक्षिणी राज्यों और पूर्वोत्तर के प्रतिनिधित्व को कम करने का एक स्पष्ट प्रयास था। हमने संसद में इसे रोका और भारत की अवधारणा पर इस हमले को विफल कर दिया। इंडिया अलायंस हमेशा तमिल पहचान की रक्षा करेगा।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

बेटियों की हार

विपक्ष को यह स्पष्ट करना होगा कि बेटियों की हार लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है? देश की महिलाओं की हार हुई है, उनका सम्मान और आत्मसम्मान छिन गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र की जीत कैसे कह सकता है?
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया एवं जापान ने यह जानकारी दी। ये मिसाइल ऐसे समय में दागी गई हैं जब कुछ दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने परमाणु हथियार बनाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों में 'बेहद गंभीर'' प्रगति की चेतावनी दी थी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' (जेसीएस) ने बताया कि उत्तर कोरिया के सिनपो क्षेत्र से दागी गईं ये मिसाइलें देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र की दिशा में करीब 140 किलोमीटर (87 मील) तक गईं।

ऑफ बीट

क्या माउथवॉश हृदय के लिए हानिकारक होता है?

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में दावा किया गया है कि माउथवॉश से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है और हृदय की सेहत को नुकसान हो सकता है। कुछ वीडियो के अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि माउथवॉश मुंह के उन अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देता है, जो हृदय और रक्त-प्रणाली के लिए जरूरी होते हैं। यह सुनने में चौंकाने वाला लग सकता है लेकिन आपको अभी अपना माउथवॉश फेंकने की जरूरत नहीं है। सच्चाई इससे कहीं ज्यादा जटिल है। हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं। ये सभी मिलकर एक संतुलित और विविध प्रकार के 'माइक्रोबायोम' बनाते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया की बढ़त को रोकते हैं

संक्षेप

गर्मी का प्रकोप, स्कूलों का समय बदला

नर्सरी से 8 वीं तक के स्कूल अब सुबह 7:30 से 12:30 बजे तक खुलेंगे

अमेठी , भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय सारिणी में परिवर्तन किया गया है।जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के सभी विद्यालय अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगे। समय में बदलाव करने के निर्देश जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो चुका है। यहां का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने स्कूलों के समय में बदलाव करने के निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों पर लागू होगा। जिलाधिकारी ने इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं।

25 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कमरौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अमेठी , जनपद में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' अभियान के तहत कमरौली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने संदिग्धों की चेकिंग के दौरान एक युवक को 25 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में कमरौली पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और वस्तुओं की जांच कर रही थी। तलाशी के दौरान पकड़े गए युवक की पहचान जितेन्द्र शर्मा उर्फ जीतू (24 वर्ष) के रूप में हुई। वह मध्य प्रदेश के जिला रायसेन, थाना उदयपुरा के नयागांव उर्दमऊ का निवासी है। उसके पास से 25 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी जितेन्द्र शर्मा के खिलाफ थाना कमरौली में मु0अ0सं0 44/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अज्ञात थार की टक्कर से युवक की मौत

संग्रामपुर में इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

अमेठी संग्रामपुरः क्षेत्र के टीकरमाफी चौकी के पास रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे एक अज्ञात थार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक वीरेंद्र कुमार (30) गंभीर रूप से घायल हो गया। पीपरपुर के पठखौली निवासी वीरेंद्र को परिजन इलाज के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।मृतक के बड़े भाई गोविंद ने बताया कि वीरेंद्र रविवार शाम कमासिन से राजगीरी का काम कर घर लौट रहा था। टीकरमाफी चौकी के पास पहुंचने पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार थार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

यह वीआईपी एरिया है, यहां खड़ा होना मना है

बागेश्वर बाबा की कथा में बाउंसरों ने की भक्तों से अभद्रता, वीआईपी जोन को लेकर भड़के भक्त

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने आए भक्तों के साथ प्राइवेट सुरक्षाकर्मियों ने अभद्रता की। भीड़भाड़ वाले पंडाल में वीआईपी जोन को लेकर आम भक्तों और बाउंसरों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। भीड़ में बाउंसर ने भक्तों पर चिल्लाते हुए कहा कि यह वीआईपी एरिया है, यहां खड़ा होना मना है। जिसका वहां मौजूद लोगों ने विरोध किया। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मंगलवार को हनुमंत कथा की शुरूआत की। कथा सुनने के लिए लोग कई जिलों से आए हैं। जिनमें महिलाएं, पुरूष, बूढ़े और बच्चे सभी शामिल हैं। बैठने को लेकर कहा सुनी शुरू हुई। बाउंसर ने कुछ कहा जिस पर एक भक्त ने बाउंसर से कहा, रुक्यों हटें भाई? हम भी दर्शन करने आए हैं। क्या वीआईपी ही भगवान के भक्त होते हैं? वहीं दूसरे युवक ने आपत्ति जताई और कहा हमारी फैमिली अंदर बैठी है, हम कहीं नहीं जाएंगे। आप सबको धक्का दे रहे हो, यह गलत है। वहां मौजूद एक महिला ने भी शिकायत की हमें कोई नहीं भगा रहा था, हम शांति से खड़े थे। सुरक्षाकर्मी गुस्से में चिल्लाते हुए बोला यह वीआईपी एरिया है, यहां खड़ा होना मना है। बहस मत करो, बाहर निकलो! एक भक्त ने तंज कसा और बोला प्रदीप मिश्रा भी आते हैं, लेकिन वो कभी भक्तों को नहीं भगाते। आप तो बस पैसे वालों को अंदर जाने दे रहे हो। युवक ने फोन दिखाते हुए बोला मेरे फेसबुक-इंस्टाग्राम पर हजारों फॉलोअर्स हैं। सब रिकॉर्ड हो रहा है। युवक ने जोर देकर कहा कि हमने भी यहां आने के लिए बहुत मेहनत की है। हाथ मत लगाओ। सुरक्षाकर्मी ने नियमों का हवाला देते हुए सबको पीछे हटने को कहा। घटना मंगलवार रात को हुई, जब कथा का आयोजन जोर-शोर से चल रहा था। स्थानीय लोगों ने इसे भक्तों के साथ भेदभाव बताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

यमुना किनारे 13 हजार स्क्वायर फीट में पंडाल

यमुना तट स्थित कथा स्थल पर 13 हजार वर्गमीटर में भव्य पंडाल बनाया गया है। 21 अप्रैल से शुरू हुई कथा 23 अप्रैल को समाप्त होगी। पहले दिन पंडाल में करीब 20-22 हजार श्रद्धालु पहुंचे। करीब छह एकड़ एरिया में कथा के आयोजन की व्यवस्था है। पंडाल में भक्तों के आने और जाने के लिए 8 एंट्री गेट बनाए गए हैं। 3000 पुलिसकर्मी, 500 सीसीटीवी और ड्रोन निगरानी के लिए लगाए गए हैं। धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने के लिए भारी भीड़ के बीच एक भक्त व्हीलचेयर पर पहुंचा।

दुष्कर्म का आरोपी एसआरएन अस्पताल से फरार

डीएनए टेस्ट के लिए लाया गया था, सीसीटीवी में कैद हुआ, 2 सिपाही सस्पेंड

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , रेप का आरोपी एसआरएन हॉस्पिटल से भाग निकला। पुलिसकर्मी मंगलवार को उसे डीएनए टेस्ट के लिए ले आए थे। तभी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर वह भाग गया। मामले में एसपी दीपक भूकर ने 2 सिपाही मदन शर्मा और अनुज कुमार को सस्पेंड कर दिया है।प्रतापगढ़ के मानिकपुर में डेढ़ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। सोमवार को कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया था। मंगलवार को उसे मेडिकल जांच और डीएनए टेस्ट के लिए प्रयागराज लाया गया था। इसी दौरान शाम करीब 6 बजे आरोपी भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। वहीं पुलिस की 3 टीमें तलाश में जुटीं हैं। सीसीटीवी में भागता दिखा आरोपी अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में आरोपी की भागने की पूरी घटना कैद हो गई है। फुटेज में शाम 6:15 बजे आरोपी नीली शर्ट पहने ट्रॉमा सेंटर के बाहर से तेजी से भागते हुए मुख्य गेट की ओर जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मामला एसआरएन पुलिस चौकी पहुंचा। कोतवाली पुलिस के साथ-साथ प्रतापगढ़ पुलिस की टीमें भी आरोपी की तलाश में जुट गई हैं।

कोतवाली पुलिस तलाश में जुटी

प्रतापगढ़ के पश्चिमी अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय ने बताया कि आरोपी को इलाज के लिए एसआरएन लाया गया था, जहां से उसके फरार होने की सूचना मिली है। वहीं एसआरएन चौकी प्रभारी आनंद यादव का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है।

डंपर-बाइक की टक्कर, युवक की मौत

एक घायल, तीसरा सुरक्षित, दुर्घटना के बाद चालक फरार, वाहन जब्त

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के तेतारपुर गांव के पास रायबरेली-अयोध्या मार्ग पर हुई। एक तेज रफ्तार डम्फर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।हादसे में सत्यम नामक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल पर सवार दुर्गेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जगदीशपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मोटरसाइकिल पर तीसरा युवक विशाल बाल-बाल बच गया और उसे कोई चोट नहीं आई। पुलिस के अनुसार, यह टक्कर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और डम्फर के बीच हुई। तीनों युवक जगदीशपुर से मोहनगंज की ओर जा रहे थे। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक सत्यम के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डम्फर को जब्त कर लिया गया है, हालांकि उसका चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस चालक की तलाश कर रही है और मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

लकड़ी चोर गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

43 बोटे बरामद, अयोध्या के रहने वाले है आरोपी

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , गोसाईगंज पुलिस ने लकड़ी चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 43 यूकेलिप्टस के बोटे और घटना में प्रयुक्त एक वाहन बरामद किया है। यह कार्रवाई 20 अप्रैल को की गई।पुलिस अधीक्षक श्रीमती चारू निगम के कुशल निर्देशन में और अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गोसाईगंज पुलिस टीम को यह सफलता मिली। टीम ने खेत से पेड़ काटकर चोरी करने की घटना का खुलासा किया। यह मामला 7 अप्रैल का है, जब वादी रविशंकर शुक्ला ने अपने खेत से 24 यूकेलिप्टस के पेड़ चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में थाना गोसाईगंज में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना अधिकारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने साक्ष्यों का संकलन किया और मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 20 अप्रैल को घेराबंदी कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शुभम यादव (22 वर्ष) पुत्र सत्यनारायण, करन (18 वर्ष) पुत्र शिवनाथ, रोशनलाल (19 वर्ष) पुत्र मनोरम और आदित्य पटेल (18 वर्ष) पुत्र राजबली पटेल शामिल हैं। ये सभी अयोध्या के बीकापुर थाना क्षेत्र के कटारी और किलहना गांव के निवासी हैं।पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 43 सफेदा (यूकेलिप्टस) के बोटे बरामद किए हैं। इनमें 4 फीट के 25 बोटे और 3 फीट के 18 बोटे शामिल हैं। घटना में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त कर लिया गया है।इस गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक अशोक कुमार, उपनिरीक्षक कैलाश सिंह, हेड कांस्टेबल पप्पू कुमार, हेड कांस्टेबल विजय कुमार पटेल, हेड कांस्टेबल धर्मेश कुमार और कांस्टेबल दीपक कुमार की टीम शामिल थी।

बैट्री रिक्शा पलटा, किसान की मौत

गेहूं काटने जाते समय हादसा, परिवार ने सरकार से मांगी मदद

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , गोसाईगंज थाना क्षेत्र स्थित फतेहपुर संगत चपराहवा गांव में रविवार को एक बैट्री रिक्शा पलटने से 45 वर्षीय किसान कृष्ण कुमार की मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार किया गया। कृष्ण कुमार दोपहर में गेहूं काटने के लिए बैट्री रिक्शा से दूसरे खेत जा रहे थे। रास्ते में रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक के भतीजे रामसुमिरन ने गोसाईगंज थाने में घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उपनिरीक्षक सुरेशचंद्र की देखरेख में पोस्टमार्टम सहित अन्य विधिक कार्रवाई पूरी की गई। कृष्ण कुमार के परिवार में उनकी पत्नी फुलवासी, दो बेटियां और तीन बेटे हैं। उनके बड़े बेटे राकेश (30) विवाहित हैं, जबकि बृजेश (20) और हरिकेश (10) अविवाहित हैं। बेटियों में ललिता (विवाहित) और विमलेश शामिल हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता और बच्चों के भविष्य के लिए मदद की अपील की है।

हिस्ट्रीशीटर अपराधी से पुलिस की मुठभेड़

दो अन्य साथी गिरफ्तार, 23 मुकदमे दर्ज, एसपी ने दिया 25 हजार का इनाम

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , पुलिस और बदमाशों के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत हुई इस मुठभेड़ में एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी को गोली लगी। पुलिस ने उसके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। घायल अपराधी पर 23 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।यह घटना संग्रामपुर थाना क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस देर रात व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार आता दिखा। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। घायल बदमाश की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बेलखरी गांव निवासी शनि पांडेय के रूप में हुई है, जो एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा, जिंदा कारतूस, चोरी की बैटरी झटका मशीन और 700 रुपये नकद बरामद हुए। शनि पांडेय पर अमेठी और फतेहपुर के विभिन्न थानों में कुल 23 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने शनि पांडेय की शिनाख्त पर उसके दो अन्य साथियों, संग्रामपुर थाना क्षेत्र के तिवारीपुर निवासी समरजीत पुत्र शिव बहादुर और रामलाल मौर्य पुत्र गया प्रसाद मौर्य को भी गिरफ्तार किया। इन अपराधियों के पास से 2100 रुपये नकद, एक गैस सिलेंडर, प्लास, पेचकस, कुदाल, फावड़ा और एक बजाज सिटी 100 मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

आज पुलिस ऑफिस सभागार में मामले का खुलासा करते हुए एसपी सरवणन टी ने बताया कि शनि पांडेय एक शातिर अपराधी है

एसआईआर से 3.86 लाख वोटर कटे

सपा ने उठाए सवाल, निर्वाचन आयोग को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए निर्वाचन अधिकारी (जिलाधिकारी) को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन 2026 को दोपहर 12 बजे सपा पदाधिकारियों द्वारा जिला मुख्यालय में दिया गया।पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची में करीब 3.86 लाख नाम कम कर दिए गए हैं, जिससे गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर के अनुसार, 10 अप्रैल 2025 को एसआईआर के बाद जारी सूची में मतदाताओं की संख्या 27,96,378 थी, जो अब घटकर 24,10,173 रह गई है।इस तरह कुल 3,86,205 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। पार्टी का आरोप है कि यह बदलाव बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की ओर इशारा करता है।लॉजिकल एरर और नो-मैपिंग पर सवाल सपा ने आरोप लगाया है कि बड़ी संख्या में नाम ₹लॉजिकल एरर₹ और नो-मैपिंग जैसी तकनीकी वजहों से हटाए गए हैं। पार्टी का कहना है कि मृतक, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। सपा ने यह भी कहा है कि फार्म-6 (नए मतदाता जोड़ने), फार्म-7 (नाम हटाने) और फार्म-8 (संशोधन) के तहत किए गए बदलावों का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। लक्ष्मी धनगर ने दावा किया कि कई ऐसे मतदाताओं के नाम भी सूची से गायब हैं, जो वर्षों से मतदान करते आ रहे थे। इससे लोगों में असंतोष और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। पार्टी ने मांग की है कि विधानसभा और पोलिंग बूथ स्तर पर हटाए गए, जोड़े गए और संशोधित किए गए मतदाताओं की पूरी सूची राजनीतिक दलों को तत्काल उपलब्ध कराई जाए। वहीं, निर्वाचन अधिकारी ने मामले की जल्द जांच कर कारण स्पष्ट करने का आश्वासन दिया है। अब प्रशासन की कार्रवाई और पारदर्शिता पर सभी की निगाहें टिकी हैं, क्योंकि यह मामला सीधे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और मतदान अधिकार से जुड़ा हुआ है।

भाजपाइयों ने फूंका विपक्ष का पुतला

महापौर अर्चना वर्मा ने महिला विरोधी बताया, बिल पास न होने का विरोध

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और महिला कार्यकताओं ने विपक्ष का पुतला फूंका। यह विरोध प्रदर्शन महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पारित न होने देने के आरोप में किया गया। इस दौरान भाजपाइयों ने विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उसे महिला विरोधी बताया।यह विरोध प्रदर्शन खिरनीबाग चौराहा पर हुआ, जहां महापौर अर्चना वर्मा, ददरौल विधानसभा से भाजपा विधायक अरविंद सिंह, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सागर, अभिषेक यादव महानगर उपाध्यक्ष और अंशुल चौहान महानगर महामंत्री सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता इकट्ठे हुए थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। भाजपा महापौर अर्चना वर्मा ने कहा कि, सरकार ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था, जिसका उद्देश्य महिलाओं को उनका हक दिलाना था। हालांकि, मतदान के दौरान यह विधेयक पारित नहीं हो सका, और भाजपा ने इसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। महापौर का आरोप है कि विपक्ष ने इस विधेयक का विरोध किया, जिससे यह पास नहीं हो पाया।भाजपा महापौर अर्चना वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि संसद में महिला आरक्षण का विरोध करके विपक्ष ने महिलाओं के हक को रोका है। उन्होंने कहा कि हम सभी महिलाएं मिलकर विपक्ष के इस कृत्य की निंदा करते हैं और आने वाले चुनावों में उन्हें करारा जवाब देंगे। महापौर ने आगे कहा कि सभी विपक्षी पार्टियां महिला विरोधी हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को सम्मान दिलाना चाहते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से आगामी चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या

चोरी के बाद आरोपियों ने दिया अंजाम, घर में अकेली रहती थी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , हथिगवां थाना क्षेत्र में रविवार रात एक बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या कर दी गई। घर में अकेली होने के चलते चोरी के प्रयास के दौरान विरोध करने पर वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हथिगवां थाना क्षेत्र के भोला का पुरवा (बरना) गांव की रहनेवाली फुलझरिया देवी (65) पत्नी स्व. भगवत प्रसाद। अपने घर में अकेली रहती थीं। रविवार रात कुछ अज्ञात लोग चोरी की नीयत से उनके घर में घुसे। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो हमलावरों ने गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। सुबह करीब 7 बजे परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई, तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनकी शीघ्र गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।पति की मौत के बाद अकेली रहती थी महिलामृतका फुलझरिया देवी (65) के पति भगवत प्रसाद की 25 साल पहले मौत हो गई थी। उनके पांच बेटे स्वामीनाथ, देवता दीन, सीताराम, राम खेलावन और मुना और बेटी कमलेश है। जिनमें से देवता दीन की कुछ साल पहले ही मौत हो गई है।बड़ा बेटा स्वामीनाथ मां से 50 मीटर दूर खेत में मकान बनाकर परिवार के साथ रहता है।

3 सगे भाई-बहनों की तालाब में डूबकर मौत

गर्मी से राहत पाने के लिए नहाने गए थे, गहरे पानी में डूबे, 3 घंटे बाद मिले शव

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , तीन सगे भाई-बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। गर्मी में नहाने के लिए तालाब में गए थे। पैर फिसला और छोटा भाई गहरे गड्ढे में चला गया। उसे बचाने के लिए बड़ा भाई गया वह भी साथ में डूबने लगा। तभी साथ में गई बड़ी बहन दोनों को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, लेकिन तीनों ही पानी में डूब गए। करीब 3 घंटे तक बच्चों के वापस नहीं आने पर परिजनों ने ढूढना शुरू किया।पड़ोस के एक व्यक्ति ने बताया की बच्चे तालाब की तरफ नहाने गए थे। जब तालाब में जाकर खोजा तो तीनों की लाशें मिलीं। एनडीआरएफ की टीम को सूचना नहीं दी गई थी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने तीनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। तीन बच्चों की मौत से मां का रो-रोक बुरा हाल है। उसे पड़ोसी व गांव वाले तसल्ली दे रहे हैं। घटना कंधई थाना क्षेत्र की है। कंजास गांव निवासी विजय पत्नी कुसुम और 4 बच्चों के साथ रहते हैं। सोमवार को रानी (12) मोहित (8) और रोहित (7) गर्मी में नहाने के लिए तालाब में चले गए थे। मां के पास 8 माह का सोहित ही रह गया था। नहाते समय पैर फिसलने से छोटा भाई गहराई में चला गया। उसे बचाने के चक्कर में दोनों बड़े भाई-बहन भी डूब गए। विजय प्रधान की दी हुई जगह पर वह तालाब के किनारे झोपड़ी बनाकर रहते हैं। गांव के ही रहने वाले विवेक कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि बच्चों को मैने ही डूबते हुए देखा था। आसपास मौजूद लोगों ने बच्चों को डूबते देख शोर मचाया। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी प्रयास के बाद तीनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पिता विजय बहादुर लकवाग्रस्त हैं।

संक्षेप

शॉर्ट-सर्किट से परचून दुकान-गोदाम में आग

लाखों का सामान जलकर राख, दमकल टीम ने कई घंटों बाद पाया काबू

बागपत , बड़ौत कोतवाली क्षेत्र में एक परचून की दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण बताया जा रहा है।इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। यह घटना बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के कोताना रोड स्थित सरकारी अस्पताल के समीप चन्दकी ढिकाना वालों की दुकान और गोदाम में हुई। आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं निकलता देख तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।आग इतनी भयंकर थी कि कुछ ही देर में दुकान और गोदाम में रखा लाखों रुपये का परचून का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग की लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। बागपत सीएफओ अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।पुलिस पूरे ममले की जांच में जुटी है।

मारपीट के तीन आरोपी गिरुफ्तार

घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद

बागपत , जनपद के कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने मारपीट के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान गौरीपुर निवासी नजरान, नाजिम और मुफिद के रूप में हुई है।ये तीनों नियाज के पुत्र हैं ।पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई पीड़ित पक्ष द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई। शिकायत में आरोप था कि इन तीनों ने पीड़ित के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। शिकायत मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान, पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर तीनों अभियुक्तों की पहचान की और दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के समय पुलिस ने उनके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक डंडा भी बरामद किया है। इसे अब मामले में साक्ष्य के तौर पर शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

पूर्व विधायक संगीत सोम से मिले सेंट्रल मार्केट के व्यापारी

लोगों के बीच पहुंचने और मदद के लिए मुख्यमंत्री से मिलने का दिया आश्वासन

मेरठ , सेंट्रल मार्केट और शास्त्रीनगर के व्यापारी जब तमाम जनप्रतिनिधियों के दरवाजे खटखटाने के बाद भी समाधान नहीं पा सके, तो अंततः उन्होंने सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम का रुख किया।व्यापारियों ने अपनी समस्याएं और पीड़ा उनके सामने विस्तार से रखी, जिस पर सोम ने गंभीरता दिखाते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मामले में ठोस पहल करेंगे ।व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने पहले ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, सांसद अरुण गोविल, कैंट विधायक अमित अग्रवाल और महापौर हरिकांत अहलूवालिया से भी मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई थी

जाम खुलवाने सड़क पर उतरे सांसद इमरान मसूद

खुद संभाली ट्रैफिक व्यवस्था, एक-एक करके गाड़ियों को निकलवाया

अमन लेखनी समाचार

सहारनपुर , कांग्रेस सांसद इमरान मसूद सड़क पर खड़े होकर ट्रैफिक व्यवस्था संभालते नजर आए। इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह ट्रक और अन्य वाहनों को निकलने का इशारा करते दिख रहे हैं।वीडियो में वह कार और ई-रिक्शा चालकों से कहते सुनाई दे रहे हैं- इधर से निकलो, जल्दी चलो। यह वीडियो मानकमऊ तिराहा क्षेत्र का है। यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है।इस तिराहे से एक रास्ता अंबाला की ओर जाता है, जिससे ट्रैफिक रहती है मंगलवार रात सांसद अपने परिवार के साथ घर लौट रहे थे।इसी दौरान वे जाम में फंस गए। जाम अधिक होने पर उन्होंने खुद वाहन से उतरकर ट्रैफिक संभालना शुरू कर दिया। कुछ देर तक उन्होंने सड़क पर खड़े होकर वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकलवाया, जिसके बाद यातायात

सुचारु हो सका।500 मीटर दूर इमरान मसूद का घर जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को इमरान मसूद अपने परिवार के साथ उदयपुर घूमने गए थे।वहां 20 अप्रैल को उन्होंने पत्नी के साथ अपना जन्मदिन मनाया।इसके बाद 21 अप्रैल को लौटते समय वे मानकमऊ तिराहा पर जाम में फंस गए। उनका घर इस तिराहे से करीब 500 मीटर दूरी पर है। काफी देर तक जाम नहीं खुलने पर उन्होंने खुद ही ट्रैफिक व्यवस्था संभाल ली। मौके पर मौजूद लोगों को समझाते हुए उन्होंने वाहनों को एक-एक कर व्यवस्थित तरीके से निकलवाना शुरू किया।इस दौरान वे ट्रैफिक पुलिस की तरह गाड़ियों को दिशा देते नजर आए। कुछ ही देर में जाम खुल गया और यातायात सामान्य हो गया। इस दौरान इमरान मसूद के ट्रैफिक संभालने का वीडियो किसी ने बना लिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। अब यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।अब जानिए इमरान मसूद के बारे में्र इमरान मसूद सहारनपुर से कांग्रेस के लोकसभा सांसद हैं। वे पहले सहारनपुर नगर परिषद के अध्यक्ष रह चुके हैं और मुजफ्फरबाद विधानसभा क्षेत्र (अब बेहट) से विधायक भी रहे हैं।कांग्रेस में वे प्रदेश उपाध्यक्ष, सलाहकार परिषद के सदस्य और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव जैसे पद संभाल चुके हैं।

मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

पैर में गोली लगने से घायल, तमंचा और नकद बरामद

अमन लेखनी समाचार

सहारनपुर , पुलिस और एक फरार बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की गोली लगने से वह घायल हो गया। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पास से तमंचा, कारतूस और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। यह सफलता थाना तीतरों पुलिस को मिली है। क्षेत्राधिकारी अशोक सिसोदिया ने बताया कि बीती देर रात थाना तीतरों पुलिस टीम सालियर तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी।इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि झिंझाना रोड किनारे स्थित एक बाग में एक व्यक्ति तमंचे के साथ किसी वारदात की फिराक में खड़ा है ।सूचना पर पुलिस टीम जैसे ही आम के बाग के पास पहुंची, एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया।पुलिस को अपनी ओर आता देख

उसने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और बाग की ओर भागने लगा।पुलिस टीम ने उसका पीछा किया ।जवाबी कार्रवाई में लगी गोली कुछ दूरी पर जाकर बदमाश ने आम के पेड़ की आड़ लेकर दोबारा पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा और मौके पर ही दबोच लिया गया। चोरी के मामले में था फरार घायल बदमाश की पहचान फातिर पुत्र हमीद खान के रूप में हुई है, जो गंगोह थाना क्षेत्र के मोहल्ला कोटला का निवासी है।पुलिस के अनुसार वह चोरी के एक मामले में फरार चल रहा था और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

किडनैपर्स को पहचानने कोर्ट पहुंचे कॉमेडियन सुनील पाल

मेरठ में बोले- 10 किलो वजन घटा, अब घर से निकलने में भी डर लगता है

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, कॉमेडियन सुनील पाल खुद के अपहरण के मामले में किडनैपर्स की पहचान करने मेरठ पहुंचे।सोमवार को कोर्ट में उन्होंने 2 आरोपियों की पहचान की। उन्होंने कहा- किडनैपिंग की वारदात के बाद से मैं बहुत डरा हुआ हूं। अब तो बाहर जाने से भी डर लगता है ।उन्होंने कहा- मुंबई में भी अगर उनके आस-पास कोई मौजूद होता है तो वह उसे भी शक की नजर से देखते हैं।एक साल में मेरा 10 किलोग्राम वजन कम हो गया है।मुंबई में भी अगर उनके आस-पास कोई मौजूद होता है तो वह उसे भी शक की नजर से देखते हैं ।दोस्त को फोन कर जाते हैं बाहर सुनील पाल ने कहा- वह कहीं भी अकेले नहीं जाते।कहीं भी जाना होता है तो वह पहले अपने दोस्त साहिबे आलम को फोन करते हैं।कहां

जाना है उन्हें पूरी जानकारी देते हैं।जिस वाहन से जा रहे हैं, उस वाहन की फोटो और नंबर तक वह अपने दोस्त को पहले व्हाट्सएप करते हैं। अपने शहर के भीतर भी वह अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं ।अब एक नजर में पूरा मामला पढ़िए मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का मेरठ में दिसंबर 2024 में अपहरण कर उनसे 8 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी।सुनील को हरिद्वार में एक इवेंट के बहाने बुलाकर नेशनल हाईवे 58 से उनका अपहरण किया गया और उन्हें 24 घंटे बंधक बनाकर रखा गया था।

नगर निगम में भर्ती पर बवाल

आउटसोर्सिंग सफाई मित्र बोले- भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, तो नियुक्ति क्यों नहीं?

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, आउटसोर्सिंग सफाई मित्रों की भर्ती में कथित धांधली और विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर नगर निगम परिसर में कर्मचारियों ने सांकेतिक धरना और भूख हड़ताल की। यह आंदोलन भारतीय संविदा आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ की मेरठ शाखा के नेतृत्व में आयोजित किया गया ।धरने के दौरान कर्मचारियों ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता और पारदर्शिता की कमी के गंभीर आरोप लगाए और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल संघ के अध्यक्ष दिनेश सूद ने कहा कि सफाई मित्रों की भर्ती के लिए पोर्टल पर आवेदन लिए गए थे, लेकिन नियुक्ति के लिए पोर्टल की सूची को नजरअंदाज कर गुपचुप तरीके से अलग सूची तैयार की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है तो पोर्टल की सूची के आधार पर नियुक्तियां क्यों नहीं की

जा रही हैं। साथ ही यूनियन के निर्वाचित पदाधिकारियों को विश्वास में न लेने पर भी आपत्ति जताई गई। समस्याओं के समाधान में देरी से बढ़ा आक्रोश कर्मचारियों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन सफाई मित्रों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर उदासीन बना हुआ है। कई बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, जिससे कर्मचारियों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है ।अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि शाम तक समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो सांकेतिक धरने को अनिश्चितकालीन धरने में बदल दिया जाएगा।इसके साथ ही क्रमिक अनशन शुरू करने और जरूरत पड़ने पर काम बंद करने तक का फैसला लेने की चेतावनी भी दी गई है ।कई संगठनों ने दिया समर्थन धरने को समर्थन देने के लिए भारतीय वाल्मीकि आदि धर्म समाज और वाल्मीकि महासभा के पदाधिकारी भी पहुंचे। धरना स्थल पर दिनेश लौहरे, शालिनी सिंह मसीह, पदमा जानसन, नवीन गेहरा, सोनू बेनीवाल, राजन पिहवाल, सुमित गहलोत, तरुण गहलोत, पवन राजोरिया, रिंकू बेनीवाल, विनय कसूर खेड़ा, मुकेश निमोर्ही, विशाल पवार, नरेश और सेट्टी भाई समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

आवास विकास के अधिकारियों का व्यापारियों से जनसंपर्क

नोटिस के बारे में दी जानकारी, सहयोग की भी अपील

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद से ही सेंट्रल मार्केट के सेक्टर 2 में महिलाओं का प्रदर्शन जारी है ।इसी के बीच आज आवास विकास के अधिकारी लोगों के बीच पहुंचे और उनसे जनसंपर्क किया। अधिकारियों ने लोगों को बताया कि जिस आदेश का पालन आवास विकास द्वारा किया जा रहा है वह सुप्रीम कोर्ट का है ।इसमें कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। इसलिए इस कार्य को पूरा करने में उनका सहयोग किया।

व्यापारी बोले न्याय की है गुहार

सेंट्रल मार्केट में चल रहे प्रदर्शन में बेठी महिलाओं का कहना है कि वह लगातार न्याय की गुहार सरकार और अपने जनप्रतिनिधियों से लगा रही हैं। इस बीच अब यह पता चला है कि नोटिस का कार्य जल्द शुरू किया जा

रहा तो हमे इसमें भी आपत्ति नहीं है। हम अधिकारियों से मुलाकात भी करेंगे और सुप्रीम कोर्ट का आदेश का पालन भी करेंगे लेकिन अपने लिए न्याय मांगना बंद नहीं करेंगे।

अवमानना के भी दिए जाने लगे नोटिस

पुलिस द्वारा धरना स्थल पर बाहरी व्यक्तियों के पहुंचने के लिए भी पाबंदी की गई है। इसके बाद भी अगर कोई वहां पहुंचता है तो उसको नोटिस दे रही है। बीती दोपहर धरने में शामिल होने पहुंचे किसान नेता विजय राघव को पुलिस ने न्यायालय की अवमानना का नोटिस दे दिया ।सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों का कहना है कि हमे सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश है

बाबा साहेब की प्रतिमा तोड़ने वाले दोनों युवक अरेस्ट

बसपा जिलाध्यक्ष ने भीड़ को समझाकर शांत कराया, नई प्रतिमा स्थापित कराई

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,18 अप्रैल की देर रात बाबा साहेब की प्रतिमा तोड़ दी। रविवार सुबह लोनी बार्डर में सैकड़ों लोगों ने नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। जहां दलित समाज के लोग धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर लोनी बार्डर और लोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस किसी तरह लोगों को समझाकर शांत कराया। हंगामें के दौरान पुलिस ने आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। कई घंटे तक हंगामा चला। भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर भी पहुंच गए। वहीं बसपा जिलाध्यक्ष ने देर शाम नई प्रतिमा स्थापित कराते हुए माहौल को शांत कराया।डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी भी रात तक मौके पर मौजूद रहे। डीसीपी ने बताया कि मनीष पुत्र ओमप्रकाश निवासी संगम विहार, जॉन्टी उर्फ प्रिंस पुत्र देवेंद्र निवासी सरस्वती विहार थाना लोनी बार्डर जेल भेजे गए हैं।

माहौल बिगाड़ने का प्रयास

दलित समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि लोनी में माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया है। संविधान निमार्ता बाबा साहेब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करते हुए यह समाज को अपमानित करने का प्रयास किया गया है। मौके पर 200 से अधिक लोगों की भीड़ जुट गई। महिलाएं भी धरने पर बैठ गईं। जहां पर प्रतिमा लगी हुई थी उसके चारों तरफ जाल भी लगा हुआ था। पुलिस अधिकारियों ने सीसी टीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कार कार्रवाई का आश्वासन दिया है ।बसपा जिलाध्यक्ष ने माहौल शांत

करायाजिला अध्यक्ष मनोज जाटव भी मौके पर पहुंचे। जहां दलित समाज और आसपास के लोगों को शांत कराया। मनोज जाटव ने बताया कि प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने वाले दोनों युवक अरेस्ट कर लिए गए हैं, जिन्हें जेल भेजा जा रहा है। इस मौके पर मेरठ मंडल प्रभारी देवेन्द्र प्रधान पंचलोक, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र, विधानसभा प्रभारी धर्मपाल प्रधान, विधानसभा प्रभारी अजीत जाटव, पूर्व मंडल प्रभारी छतरसिंह। धर्मवीर जाटव, योगेन्द्र जाटव सभासद, पूर्व जिला प्रभारी अनिल कुमार पेन्टर, तेजपाल जाटव, रोहित गौतम,महक सिंह, पूर्व मण्डल प्रभारी प्रेमसिंह जाटव, विधानसभा प्रभारी साहिबाबाद गुलाब सिंह, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष राजू विकल,चतरसैन पूर्व सभासद, रामोतार, अनिल कुमार लक्खा, राजेंद्र सेठ, हरेंद्र जाटव, अनिल एडवोकेट, सुरेंद्र जाटव, गुलाब सिंह गौतम, राम अवतार जाटव और अन्य रहे।

'ये जो फरसा लहरा रहे हो, सब पर मुकदमे होंगे'

महिला डिप्टी एसपी की चेतावनी- फोटोग्राफी हो रही है; परशुराम जयंती पर निकला था जुलूस

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,रविवार को परशुराम जयंती पर जुलूस में फरसा लहराने और डंडा साथ लेकर चलने वालों को महिला डिप्टी एसपी ने सख्त हिदायत दे डाली। डिप्टी एसपी शुचिता सिंह ने मौके पर ही माइक लेकर चेतावनी दी कि जो लोग फरसा और डंडा लेकर चल रहे हैं, उनकी पहचान कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। डिप्टी एसपी का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में हाथ में माइक लेकर लोगों से कह रही हैं-ये जो ऊपर बैठे हैं, उन सब पर एफआईआर होगी। मैं अभी बता रही हूं, ये जो फरसा लहरा रहे हैं, डंडा लहरा रहे हैं। सबकी फोटोग्राफी हो रही है। इन सब पर मुकदमा लिखा जाएगा।जितने भी डंडे हैं अलग करिए, अलग कराओ ।पहले जानिए क्या था मामला ?भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर ब्राह्मण संगठनों सहित अन्य संस्थाओं की ओर से भव्य

कार्यक्रम हुए। सीसीएसयू गेट से शौर्य यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा का कई स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इसमें युवा फरसे के साथ चले। चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी गढ़ रोड के सामने से जुलूस निकल रहा था ।डिप्टी एसपी शुचिता सिंह की ड्यूटी जुलूस में लगी थी। जुलूस में युवक हाथ में डंडे, फरसे लिए हुए थे। इसे देखकर लेडी ऑफिसर भड़क गईं। उन्होंने जुलूस को सीसीएसयू के गेट के सामने ही रोक लिया। जुलूस रोककर हाथ में माइक लेकर लोगों को हिदायत देने लगीं। शहरभर में निकले जुलूस, शोभायात्रा परशुराम जयंती पर मेरठ जिले में शहर से देहात तक शोभायात्राओं, जुलूस और जयंती समारोहों का आयोजन था। कई स्थानों पर जुलूसों में युवकों ने डंडे और परशुराम का प्रतीक चिह्न फरसा भी लहराया। हाथ में फरसे, डंडे लेकर युवक जुलूस में शामिल हुए। दिल्लीरोड के जुलूस में भी लहराए फरसे दिल्लीरोड, परतापुर में भी परशुराम जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में भाजपा से राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर मुख्य अतिथि रहे। जुलूस में बुलडोजर को भी शामिल किया गया। वहीं युवक हाथ में तलवार, डंडे और फरसे लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए। युवकों ने शक्ति प्रदर्शन किया। डिप्टी एसपी शुचिता सिंह का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। त्यागी, ब्राह्मण समाज इसका विरोध भी कर रहा है। लोगों ने वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट्स भी करने शुरू कर दिए हैं। लोगों ने लिखा- ये तो आस्था पर प्रहार है। त्यागी समाज से बीजेपी को इतनी नफरत क्यों हैं। प्रशासन को जिले में हो रहे अन्य अपराधों पर यह गंभीरता दिखाना चाहिए, लेकिन वहां कुछ नहीं हो रहा...इस तरह के अन्य कमेंटस भी लोग कर रहे हैं। वहीं, त्यागी ब्राहमण समाज के अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने भी इसकी कड़ी निंदा की है।

कहा कि जहां अपराध पर कड़ी कार्रवाई होना चाहिए। वहां आस्था के प्रतीकों पर सख्ती दिखाई देती है।

ग्रेटर नोएडा में पेड़ से टकराई स्कूल वैन

6 बच्चे और ड्राइवर घायल, ग्रामीणों ने बाहर निकाला

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा , सुबह एक स्कूल वैन बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में वैन में सवार 6 बच्चे और चालक घायल हो गए। सभी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, सभी बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए और आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बच्चों ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला और पास के अस्पताल में पहुंचाया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंच गया। यह घटना बीटा-2 थाना क्षेत्र में हुई ।बाइक सवार को बचाने में पेड़ से टकराई वैन एक्षर इलाके में एक्सपीसियस एकेडमी है। सुबह करीब 8 बजे सेक्टर ढ-3 कॉलोनी के बच्चे वैन से स्कूल जा रहे थे। जैसे ही वैन सीआरएच हॉस्पिटल के पास पहुंची, सामने से तेज रफ्तार बाइक सवार आ गया। उसे बचाने की कोशिश में चालक घबरा गया और वैन से नियंत्रण खो बैठा। अचानक ब्रेक लगाने से वैन सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई ।टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और शीशे सड़क पर बिखर गए। हादसे के समय वैन में करीब 15 बच्चे सवार थे, जिनमें से 6 बच्चे घायल हो गए।

तार बनाने वाली कंपनी में लगी आग

फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने आधे घंटे में पाया काबू, शॉर्ट सर्किट से हादसा

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , थाना फेज-1 स्थिति सेक्टर-6 ई-69 और 70 में आग लग गई। आग से कंपनी में रखा लाखों का मॉल जलकर राख हो गया। आग कंपनी के ऊपरी तल पर लगी। जिस समय कंपनी में आग लगी। वर्कर का पहुंचना शुरू हो गया था। आग में कोई फंसा नहीं है। आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। अब तक दमकल की चार गाड़ियों को भेजा गया है ।सेक्टर-8 में वायर बनाने वाली कंपनी है। बताया गया कि कंपनी के ऊपरी तल पर शॉट सर्किट की वजह से आग लगी। आग ने पहले ऊपरी तजल को चपेट में लिया। इसके बाद नीचे की तरफ बढ़ना शुरू हुई। यहां काम करे लोग बाहर आ गए। जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ियां पहुंची। जिसके बाद आग को बुझाने का प्रयास किया गया ।करीब एक घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि वायर और कच्चा मॉल होने की वजह से लगातार धुंआ उठ रहा है। एतहियात के तौर पर आसपास की कंपनियों के वार्कर को बाहर ही रोक

दिया गया था। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरे फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया। फ्लैट के अंदर रखे बेड, सोफे, फ्रिज, एसी और मोबाइल फोन सहित सभी घरेलू सामान जलकर राख हो गए। समय रहते परिवार के सभी सदस्य फ्लैट से बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें रात 12:45 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। वायर में आग लगने के बाद वह एसी के कंप्रेसर तक पहुंच गई, जिससे कंप्रेसर फट गया और आग पूरे फ्लैट में फैल गई।

नोएडा हिंसा मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

विगुल मजदूर दस्ता संगठन से जुड़े हैं, मास्टरमाइंड आदित्य आनंद के संपर्क में थे

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर ने नोएडा हिंसा मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर थाना फेस-2 पुलिस ने हिमांशु ठाकुर और सत्यम वर्मा को पकड़ा है। इन पर श्रमिक आंदोलन के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शन में शामिल होने का आरोप है ।गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी विगुल मजदूर दस्ता के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इन पर श्रमिक धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसक घटनाओं को अंजाम देने में संलिप्तता पाई गई थी। इन घटनाओं के संबंध में थाना फेस-

2 में मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर तलाश की। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और अन्य तकनीकी माध्यमों का उपयोग करते हुए पुलिस ने हिमांशु ठाकुर (निवासी उधमसिंह नगर, उत्तराखंड और दिल्ली) और सत्यम वर्मा (निवासी लखनऊ) को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि हिमांशु ठाकुर घटना के दिन नोएडा में मौजूद था और हिंसक घटनाओं के कथित मास्टरमाइंड आदित्य आनंद के लगातार संपर्क में था। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम के तबादले से भूमाफियाओं-दलालों में मायूसी

सिस्टम पर उठे सवाल, फरियादियों, वादकारियों की उम्मीदें जागी

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) तहसील शाहाबाद में तैनात रहे एसडीएम अंकित तिवारी के सवायजपुर स्थानांतरण के बाद प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर चचाएँ तेज हो गई हैं। क्षेत्र में खासकर तहसील और मंडी से जुड़े लोगों के बीच यह मुद्दा प्रमुख बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों और लोगों के बीच चल रही चचाओं के अनुसार, बीते कार्यकाल में कई मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे। आरोप यह भी लगाए जाते रहे कि भूमि विवादों, राजस्व मामलों और न्यायालयीन प्रक्रियाओं में कुछ प्रभावशाली लोगों को प्राथमिकता मिलती रही, जिससे आम फरियादियों को अपेक्षित राहत नहीं मिल सकी। बताया जाता है कि सीमांकन, कब्जा विवाद और सरकारी जमीन से जुड़े कई मामलों में वादकारी लंबे समय तक भटकते रहे। वहीं मंडी क्षेत्र में अवैध वसूली, मिलावटी सामग्री के कारोबार और अन्य अनियमितताओं को लेकर समय-समय पर खबरें सामने आती रहीं, लेकिन कार्रवाई को लेकर असंतोष बना रहा। सूत्रों का यह भी कहना है कि एसडीएम न्यायालय की कार्यप्रणाली को लेकर भी चचाएँ रहीं, जहां कुछ कथित दलालों की सक्रियता और प्रभाव की बातें सामने आती रहीं। क्षेत्र में हुई कुछ संवेदनशील घटनाओं–जैसे विवाद, दुर्घटनाएं और अन्य कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों–में प्रशासनिक उपस्थिति को लेकर भी सवाल उठाए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई मौकों पर मजिस्ट्रेट स्तर की मौजूदगी अपेक्षित थी लेकिन एसडीएम नजर नहीं आए।

इन मुद्दों पर रही सबसे ज्यादा चर्चा

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) भूमि विवादों और सरकारी जमीनों पर कब्जे को लेकर हुईं शिकायतें एसडीएम की कार्यप्रणाली को बिल्कुल दागदार कर गईं, मंडी क्षेत्र में अवैध वसूली और अनियमितताओं के आरोप भी खूब लगे। मिलावटी व नकली उत्पादों के कारोबार पर कार्रवाई को लेकर भी बड़े सवाल उठे, राजस्व वादों में देरी और फरियादियों की लगातार दौड़ भी चर्चा का बिषय बनी? और सम्पूर्ण समाधान दिवसों में हुए कागजी निस्तारण की शिकायतें भी चर्चा का बिषय बनीं। बताया गया कि शाहाबाद एसडीएम अंकित तिवारी के सवायजपुर स्थानांतरण से इधर शाहाबाद की खासकर तहसील ही नहीं बल्कि मंडी के भृष्ट कर्मचारी, और इलाके के दबंग अवैध कब्जाधारी, दलाल, भूमाफिया, गैस एजेंसी संचालक, कालाबाजारी करने बाले, अवैध कमाई के लिए बहूचर्चित पूर्ति निरीक्षक और पूरे तहसील क्षेत्र मे गन्दे धंधों के सिंडीकेट संचालकों के मायूस होने की आमचर्चा है! सूत्रों की मानें तो जमीन से न्यायालय तक में भू माफियायों को खास संरक्षण था, खनन माफियायों की पौ बारह थी, लकड़ी माफियाओं को छूट थी, निरोधात्मक कार्यवाही के दौरान अन्याय होता था, लोगों को अविधिक दूषित हथकंडे अपनाकर जेल भेजा गया, अन्य बहुत से अन्याय चर्चा का बिषय बने, लोकायुक्त से हो चुकी या आई जाँच में भी मनमानी नजर आई, बहुत से भू स्वामियों की गुहार अपनी ही जमीन पर कब्जे के लिए बेकार गई।

प्रधानमंत्री आवासों में रही संदिग्ध भूमिका

शाहाबाद (हरदोई) स्थानांतरित एसडीएम की इधर प्रधानमंत्री आवासों में भी भूमिका काफी संदिग्ध रही, इस सम्बन्ध में इनके द्वारा आयोजित सभासदों की बैठक पर में औपचारिकता पर भी सवाल खड़े हुए। इन्होने अपने लेखपालों पर भी अंकुश नहीं लगाया बल्कि खुली छूट दी, इसीलिए सरकार की इस अति महत्वाकांक्षी योजना में अंधेर नगरी चौपट राज की कहावत चरितार्थ हुई। अपात्रों को पात्र और पात्रों को अपात्र करने का सिलसिला काबिलेगौर है।

संरक्षित रहा चर्चित कानूनगो

शाहाबाद (हरदोई) इधर भ्रष्टाचार और भूमि विवादों में धन उगाही के लिए चर्चित तहसील का एक बदनाम राजस्व निरीक्षक उनके संरक्षण में खूब फला फूला।

आए दिन सूत्र मिलते रहे और समाचार सुर्खियां बनते रहे, फिर भी जिस मामले में रुपया नहीं बोला आखिर उस मामले में एसडीएम ने कलम नहीं खोला जबकि जिस मामले में रुपया बोला, उस मामले में एसडीएम की कलम चली या फिर मन्त्री के लोगों के कहने से चली। एसडीएम कोर्ट में भी भूमाफियाओं के पक्ष में गलत आदेश, होते रहे, कुछ चर्चित दलाल अधिवक्ता भी इनके यहाँ रहते बहुचर्चित दलाल बन गए, इनके रहते इनके कोर्ट का पेशकार तक इन्हीं दलाल अधिवक्ताओं के अनुसार ही आदेश तैयार करता रहा, और मोटी धन उगाही कर-कर हिस्सा बाँट करता रहा, जिसकी आदत पड़ चुकी है इसलिए आने बाले एसडीएम के समय भी शायद अपनी कार्यशैली नहीं बदलेगा?

कोर्ट-कार्यालय के बाहर रहा कड़ा पहरा

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) एसडीएम अंकित तिवारी के रहते इनके कोर्ट कार्यालय के बाहर इनके हमराही सिपाही और होमगार्डो का पहरा इसलिए नहीं रहता था कि इन्हें किसी से जान माल का कोई खतरा है, या इनके कोर्ट में कोई जाकर इन्हें डिस्टर्ब कर सकता था बल्कि इसलिए था कि आम अधिवक्ता का वादकारी अपने अधिवक्ता के साथ कोर्ट की कार्यवाही में शामिल न होने पाए, इतना ही नहीं कोर्ट के बाहर भी कड़ा पहरा इसलिए रहता था क्योंकि अंदर कोर्ट रूप में खुलेआम होने बाली रिश्वतखोरी का कोई फोटो वीडियो न बना ले, और तो और इनकी दलाली के लिए इनके कई खासमखास लोगों की चचाएँ आम रहीं, इन्होने आए दिन अपनी ड्यूटी से सम्बंधित खबरों पर भी कभी गौर नहीं किया।

अपने आसपास भी नहीं किया हस्तक्षेप

शाहाबाद (हरदोई) एसडीएम अंकित तिवारी ने अपने मंडी शाहाबाद स्तिथ सरकारी आवास के आसपास भी हस्तक्षेप नहीं किया। दरअसल इनके सरकारी आवास से मात्र दो सौ मीटर के दायरे में नकली, मिलावटी, सामग्री, एवं ऐसी ही अवैध सामग्री की निर्माण एवं बिक्री होती रही जिसकी आए दिन खबरें छपती रहीं फिर भी यह निरंतर नजरन्दाज करते रहे, इनके आवास से मात्र 20 कदम की दूरी पर स्तिथि मंडी समिति के काँटों पर बड़ी बेइमानी और अवैध वसूली होती रही लेकिन इन्होने कभी किसी को कहीं फटकार तक नहीं लगाई, इनके आवास से मात्र 30 कदम दूरी पर मंडी गेट है जहाँ से इनकी गाड़ी हर दिन कई बार गुजरती रही और वहीं मंडी गेट के सामने महीनों बहुत बदनाम ओये होटल में अश्लीलता का शोर होता रहा परन्तु इन्होने उसे सील तभी किया जब मीडियाई खबरों का शोर उच्चाधिकारीयों के लिए भी असहनीय हो गया, इनके आवास से मात्र 50 कदम दूर चर्चित दूध पाउडर की दो एजेंसियों का संचालक खुशीराम प्रतिदिन कई गाड़ियों की सप्लाई देकर सैकड़ों कुंटल नकली दूध से बनी तरह तरह की कैमिकल युक्त अनगिनत अवैध सामग्री के निर्माण एवं बिक्री में अहम भूमिका निभाता रहा जिसकी खबरें भी सुर्खियां बनीं लेकिन एसडीएम को उधर देखने की फुर्सत नहीं मिली, सबसे बड़ी बात कि इनकी मंडी गेट के ठीक सामने नकली, मिलावटी दूध की खुलेआम मजमा लगाकर हुई खरीद फरोख्त पर इनकी नजरें कभी नहीं घूमी जबकि हर दिन कई बार यह वहीं पर से गुजरते रहे, इनकी मंडी में ही एक मजदूर की ट्रक से गिरकर मौत हो गई, मौके पर पुलिस और भारी भीड़ जमा रही लेकिन इन्होने उधर देखना भी गवारा नहीं किया।

डकैती-बबाल भी किया नजरन्दाज

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) एसडीएम के सरकारी आवास से मात्र 40 कदम की दूरी पर इधर के सबसे बड़े तथाकथित भूमाफिया समेत लगभग आधा दर्जन लोगों ने मंडी के निकट स्थिति व्यापारियों की दुकानों पर ताबड़तोड़ हमला कर मारपीट एवं लूटपाट की और सभी दुकानों का सामान बाहर फेंक दिया जिसमें बड़ा बलबा बबाल हुआ और सुबह से शाम तक मंडी गेट के सामने एवं आसपास बड़ा हंगामा होता रहा लेकिन एसडीएम ने सरकारी गाड़ी से अपने आवास की तरफ आते-जाते हुए भी घटनास्थल की तरफ एक नजर देखना भी गवारा नहीं किया।

पुलिस पर आई आफत में भी नहीं दिखे

शाहाबाद (हरदोई) एसडीएम कोर्ट समेत कार्यालय के पीछे कुछ कदम की दूरी पर मतबलिया तालाब में नगर के भाजपा बूथ अध्यक्ष का शव पुलिस ने बरामद किया, जिस मामले को लेकर कई दिन पहले से लेकर बाद तक हंगामा होता रहा, सैकड़ों लोगों ने हाइवे जाम किया, कोतवाली का घेराव किया, पुलिस के बिल्ले बर्दी नोंच लिए, एसपी तक मौके पर पहुँचे लेकिन इन्होने उधर एक नजर देखने की जहमत नहीं उठाई जबकि इन्हीं की कोर्ट में कथित तौर पर निर्दोष कई आरोपी शव बरामदगी से पूर्व ही पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही करके पेश किए गए, जिन्हें इनके कार्यालय द्वारा जमानत पर छोड़ दिया गया, फिर भी जानबूझकर इन्होने मामले में कोई कदम उठाना गवारा नहीं किया।

कोतवाली में मौत पर भी नहीं बढ़े महोदय

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) एक के बाद एक घटना में कानून एवं व्यवस्था की धज्जियाँ बड़े जोर शोर से हाइवे पर उड़ने के क्रम में कोतवाली पुलिस की हिरासत में युवक की मौत पर हुए बड़े बबाल के दौरान भी एसडीएम के वहाँ भी दर्शन नहीं हुए जबकि कोतवाली पुलिस के सारे कसबल ढीले पड़ चुके थे और एसपी ने आकर बमुश्किल स्तिथि संभाली थी। इसके अलावा क्षेत्र में अन्य भी बहुत सी ऐसी घटनाएं एवं बरामदगी के दौरान भी मौके पर नियमानुसार किसी मजिस्ट्रेट के दर्शन नहीं हुए, हालांकि कागजी हस्ताक्षर की जानकारी नहीं है। भले सूत्र बताते हैं कि कानून एवं व्यवस्था के लिए जनपद स्तर पर डीएम और तहसील स्तर पर एसडीएम की भूमिका अहम होती है। हालांकि यह सब बानगी है।

बहुचर्चित भूमि विवादों में उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) तहसील इलाके में जितने बड़े - बड़े भूमि विवाद चर्चा का बिषय बने, लगभग उन सबमें एसडीएम अंकित तिवारी की संदिग्ध भूमिका पर सवाल उठे जबकि कई मामलों में तो इनकी तरफ सीधी ऊँगलियां उठतीं रहीं, भले इनके मन मस्तिष्क पर किसी भी मानवीय गुहार का किंचित असर नजर नहीं आया।बहुचर्चित भूमि विवादों में झोथपुर -सुहागपुर की सैकड़ों बीघा सरकारी जमीन पर दबंगों के कब्जे का बहुचर्चित मामला, आगमपुर स्कूल की जमीन एवं अन्य ऐसी विवादित जमीन का मामला जिसमें पहले से लोकायुक्त तक शिकायतें तथा जांचे हुई, गिगियानी स्तिथि शाहाबाद -पाली बाईपास के किनारे स्तिथ गरीबों की बेशकीमती जमीन का मामला, एवं अन्य कई सरकारी एवं शत्रु संपत्तियों, तालाबों आदि के बड़े बहुचर्चित मामले इनकी कार्यप्रणाली की मात्र बानगी हैं, जो काफी तूल पकड़े लेकिन एसडीएम तो आखिर एसडीएम होता है, इसलिए दबंग कब्जेदारों पर लगातार इनके सहित राजनैतिक संरक्षण बना रहा।

मंत्री के लोगों और दलालों से ही मुलाकात

शाहाबाद (हरदोई) एसडीएम अंकित तिवारी के रहते इनके चैम्बर में भी उच्च शिक्षा राज्यमन्त्री के गिने-चुने खासमखास लोगों समेत मात्र दलालों का ही आना जाना काम कराना मालुम होता रहा।

29 अप्रैल को हरदोई में ऐतिहासिक क्षण, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

36 हजार करोड़ की लागत से तैयार एक्सप्रेसवे, मेरठ–प्रयागराज की दूरी होगी कम

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद हरदोई 29 अप्रैल को एक ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने जा रहा है, जब देश के प्रधानमंत्री बहुप्रतीक्षित गंगा एक्सप्रेसवे का विधिवत उद्घाटन करेंगे। करीब 36 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के विकास को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे के शुरू होने से मेरठ से प्रयागराज के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 6 से 8 घंटे रह जाएगा, जिससे आवागमन सुगम और तेज हो जाएगा। यह महत्वाकांक्षी परियोजना प्रदेश के 12 जनपदों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाएगी और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगी। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री 23 अप्रैल को हरदोई पहुंचकर कार्यक्रम स्थल और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस बने मजाक

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) तहसील में सम्पन्न सम्पूर्ण समाधान दिवस मात्र औपचारिक बने रहे। निस्तारण की कार्यवाही को इन्होने मजाक बनाकर रख दिया, ज्यादातर फर्जी निस्तारण ही होते रहे, और महोदय बस बहाने किए सोते रहे, यह अलग बात कि हर मामले में इनकी कागजी कार्यवाही पूरी होगी? परन्तु धरातल पर इनके रहते सबकुछ अधूरा और निंदनीय ही बताया जा रहा है. सीमांकन मामलों में तो इन्होने अपने कर्मचारियों पर न जाने क्यों इतना भरोसा किया कि बहुत से वादकारी बेचारे मारे मारे घूमते रहे।

अब नई तैनाती से उम्मीदें

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) अब एसडीएम अंकित तिवारी के स्थानांतरण और इनके स्थान पर सदर तहसील हरदोई के एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा आगमन से ज्यादातर वादकारियों सहित दलाल अधिवक्ताओं के अतिरिक्त अन्य अधिवक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ते देखी गई किन्तु आशंका जता रहे लोगों का कहना है कि क्या पता कि जो एसडीएम आए हैं उनकी कार्यशैली यदि इनसे भी खराब हुई तो फिर वही कोढ़ में खाज बाली कहावत चरितार्थ होकर रह जाएगी। कुल मिलाकर शाहाबाद तहसील में अब नए एसडीएम के रूप में सुशील कुमार मिश्रा ने कार्यभार संभाल लिया है। उनके आने से वादकारियों और आम नागरिकों में उम्मीद जगी है कि लंबित मामलों का निष्पक्ष निस्तारण होगा और प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार आएगा। हालांकि अब नजर इस बात पर है कि क्या नई प्रशासनिक व्यवस्था आरोपों और चचाओं से घिरे सिस्टम को पटरी पर ला पाएगी या हालात जस के तस रहेंगे।

आधिकारिक पक्ष का प्रयास

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) एसडीएम अंकित तिवारी के स्थानांतरण के बाद उनका पक्ष जानने के लिए शाहाबाद एसडीएम का सीयुजी नम्बर लगाया लेकिन लगा नहीं, हालांकि उनके निजी नम्बर की जानकारी नहीं मिली।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यालय में बच्चों ने दिखाएं करतब

प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर में धूमधाम से मनाया गया महोत्सव

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। देश प्रदेश तथा जनपद में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कल 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस जगह-जगह धूमधाम से मनाया गया वहीं शिक्षा विभाग ने प्रमुखता से इस कार्यक्रम को महोत्सव के रूप में मनाया जनपद के मलवां विकासखंड अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर में प्रधानाध्यापिका वैष्णो कीर्ति शुक्ला की अगुवाई में इको क्लब फार मिशन लाइफ के अंतर्गत हमारी शक्ति हमारा ग्रह आधारित गतिविधियां आयोजित की गई कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने चित्रकला क्विज स्लोगन तथा कविता प्रतियोगिता आदि में प्रतिभागिता निभाई नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने हाथों से मॉडल बनाकर प्रस्तुत किया जिसे देख सभी शिक्षक भाव विभोर हो उठे वही विद्यालय की प्रधानाध्यापिका वैष्णो कीर्ति शुक्ला ने सभी छात्र-छात्राओं को पृथ्वी के संरक्षण के उपाय के बारे में विस्तृत जानकारियां दी सुरक्षित पर्यावरण वृक्षों के वृक्षारोपण तथा वृक्षों की उपयोगिता समेत संरक्षण के बारे में भी प्रधानाध्यापिका ने विस्तृत रूप से बच्चों को जागरूक किया मौके पर उपस्थित विद्यालय की प्रबंध समिति अध्यक्ष मिथलेश ने भी अपने संबोधन में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधों का लगाना तथा उनके संरक्षण के बारे में सभी छात्र-छात्राओं को विस्तृत जानकारियां दी विद्यालय की प्रधानाध्यापिका समेत सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में प्रतिभागिता निभा रहे सभी बच्चों को पुरस्कृत किया इस मौके पर विद्यालय के अन्य शिक्षक जैसे रविंद्र कुमार अमरेंद्र माहेश्वरी आदि भी उपस्थित रहे सभी शिक्षकों ने नन्हे मुन्ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए विश्व पृथ्वी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी

सैकड़ों साथियों और दल बल के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए पूर्व भाजपा नेता अखिलेश पाठक

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दिलाई पार्टी की सदस्यता, अखिलेश पाठक ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को पहनाया चांदी का मुकुट,

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद। हरदोई सपा मुखिया अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी ज्वाइन कराने के बाद भाजपा के पूर्व प्रत्याशी रहे अखिलेश पाठक को आगामी 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ाने का वादा किया है, कयास लगाए जा रहे हैं कि समाजवादी पार्टी इस बार के विधानसभा चुनाव में सवायजपुर सीट से अखिलेश पाठक को प्रत्याशी बनाकर बड़ा दांव खेल सकती है। अखिलेश पाठक के द्वारा सपा का दामन थाम लेने के बाद सवायजपुर सीट का मुकाबला रोमांचक हो सकता है. बताते चलें कि अखिलेश पाठक भाजपा के सिंबल पर 2012 में शाहाबाद विधानसभा से चुनाव भी लड़ चुके हैं और वह भाजपा में कई महत्वपूर्ण पदों पर भी रह चुके हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शाहाबाद से अपनी सीटिंग एमएलए रजनी तिवारी को दोबारा प्रत्याशी बना दिया था जिससे नाराज होकर अखिलेश पाठक ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया था। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ नामांकन दाखिल करने के चलते भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अखिलेश पाठक को पार्टी से निष्कासित कर दिया था जिसके बाद से अखिलेश पाठक राजनीतिक वनवास काट रहे थे, ऐसे में विधानसभा चुनावों के कुछ महीने पहले अखिलेश पाठक के सपा में जाने से सवायजपुर और शाहाबाद विधानसभा के सपा टिकट की दावेदारी रोमांचक हो गई है, हालांकि आगामी विधानसभा चुनाव में सपा का टिकट किसे मिलेगा यह तो बाद में पता चलेगा लेकिन अखिलेश पाठक की ज्वाइनिंग से शाहाबाद और खासकर सवायजपुर की राजनीति में बड़ा भूचाल आना निश्चित है...

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र को मिलेगी नई ऊर्जा: असीम अरुण

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम आने वाले समय में भारतीय लोकतंत्र को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। वह भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की उपस्थिति में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से ही केंद्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और जिन मुद्दों को पूर्ववर्ती सरकारें वर्षों तक टालती रहीं, उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने लागू करने का साहस दिखाया। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधनों पर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने विरोध कर अपनी महिला-विरोधी मानसिकता उजागर की है। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक बहुमत के अभाव में विधेयक का पारित न होना विपक्ष की राजनीति को दर्शाता है, जहां दलहित को देशहित से ऊपर रखा गया। मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह बानो प्रकरण और महिला आरक्षण बिल को वर्षों तक लंबित रखने जैसे मुद्दों का उल्लेख किया और कहा कि कांग्रेस की कथनी और करनी में हमेशा अंतर रहा है। वहीं, मोदी सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने देश की पहली जनजातीय महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा ने महिला सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे व्यवहार में उतारा है। उन्होंने आह्वान किया कि देश की नारी शक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दे। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अलका गुप्ता, प्रीतेश दीक्षित, संदीप सिंह, ओम वर्मा, सत्यम शुक्ला, सीमा बिस्वास, अतुल सिंह, परेश लोहिया, आयुष सिंह, ऋतुराज त्रिपाठी एवं अभय दीक्षित सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बामौर और गुरसराय ब्लॉक के 25 ग्रामों में होगा जल संचयन कार्य

अमन लेखनी समाचार

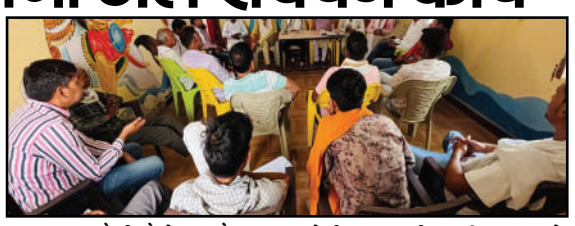

गरौठा। इक्रीसेट द्वारा झांसी जिले के बामौर एवं गुरसराय ब्लॉक के 25 ग्रामों में जल संचयन हेतु कार्य शुरू कर दिया गया है। 25 ग्रामों की करीब 15 हजार हेक्टेयर भूमि के जल स्तर में वृद्धि एवं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु योजना शुरू हो चुकी है। कृषि विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से जल संचयन के अलावा कृषि सुधार, कृषि बानकी, मेडबंदी, चेकडैम, नाला गहरी चौड़ीकरण आदि तमाम कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु क्षेत्र के किसानों को योजना के विषय में जानकारी दे कर योजना में सहभागी बनाने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। ग्राम नागर, भदरवारा, रघौली, कैरोखर, सैगुआ, वीरपुरा आदि ग्रामों में इक्रिसेट, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण समिति एवं एफपीओ के प्रतिनिधियों ने किसानों से संवाद कर योजना के विषय में विस्तृत जानकारी दी एवं किसानों से सहयोग मांगा। वीडियो फिल्म के माध्यम से भी परियोजना के बारे में किसानों को जानकारियां दी गई। इस मौके पर डॉ अशोक शुक्ला, चेयरमैन एफपीओ पुष्पेन्द्र सिंह बुंदेला, संजीव बिरथरे, अनुज द्विवेदी प्रधान नागर, शैलेन्द्र सोनी, जय श्री, अविचल राजे, विशाल सिंह, शिशुवेंद्र सिंह, सुनील पटेल, दीपक त्रिपाठी, विवेक, जितेन्द्र पुनिया, हरिओम पटेल, भूपेन्द्र पटेल, घनाराम, रामाधार पटेल, हर्ष द्विवेदी, कैलाश पाल, अरविंद श्रीवास, राजू शर्मा, भजनलाल, राजेश चौधरी, विष्णुकांत, अमित, प्यारे लाल, आनंद कुमार, परशुराम पाल, जगतराज, रामकिशोर, प्रिंस, नारायणदास पटेल, धर्मेश कुमार, पंकज पटेल आदि उपस्थित रहे।

गरौठा में 2985 लीटर अवैध शराब नष्ट, जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर की गई कार्रवाई

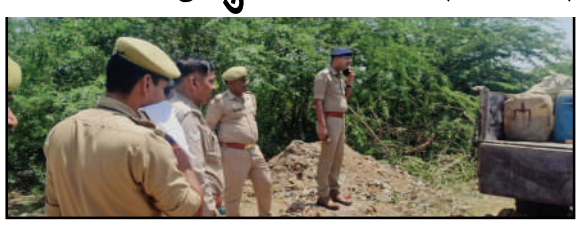

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। माननीय न्यायालय एसीजेएम गरौठा के आदेश दिनांक 06 अप्रैल 2026 के अनुपालन में पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब को नष्ट किया गया। थाना गरौठा में वर्ष 2022, 2023, 2024 एवं 2025 के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत कुल 129 अभियोगों में बरामद 2985 लीटर कच्ची व देशी अवैध शराब को नियमानुसार नष्ट कराया गया। यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी गरौठा पियूष पाण्डेय, नायब तहसीलदार राधा पालीवाल, आबकारी निरीक्षक मऊरानीपुर/गरौठा हर्ष बाबू यादव तथा प्रभारी निरीक्षक गरौठा सुरजीत सिंह की मौजूदगी में संपन्न हुई। टीम द्वारा श्री अखण्डानन्द इंटर कॉलेज के सामने स्थित जंगल क्षेत्र में जेसीबी मशीन से गड्ढा खुदवाकर उसमें पूरी शराब को दफन कर नष्ट किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सड़क हादसे में घायल किसान की 11 दिन बाद इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

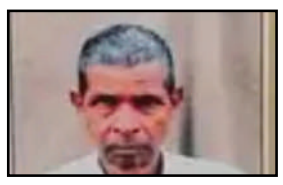

कासिमपुर। कासिमपुर थाना क्षेत्र के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर 11 अप्रैल को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 52 वर्षीय भैया लाल की 11 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। बुधवार को परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौरी सैयद तालिब निवासी भैया लाल 11 अप्रैल को अपनी मोपेड से बेहंदर से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सामने से आ रहे दूध से भरे एक टैंकर ने उनकी मोपेड में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से उन्हें तत्काल सीएचसी बेहंदर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में लगातार 11 दिन तक चले इलाज के बावजूद भैया लाल की हालत में सुधार नहीं हुआ और आखिरकार उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी और एक पुत्र सोनू को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। कासिमपुर प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

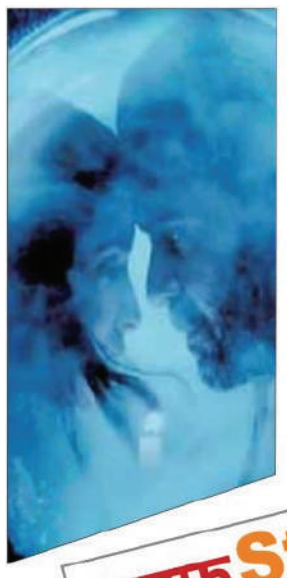

हॉन्टेड 3डी का मोशन पोस्टर आउट फिर साथ आए विक्रम और आनंद...

मुंबई। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 1920 के 18 साल बाद विक्रम भट्ट और आनंद पंडित फिर से एक हॉरर फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म का नाम है 'हॉन्टेड 3डी'। मंगलवार को फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया, जो काफी डरावना है। पोस्टर में डरावनी गुड़िया, एक सफेद कपड़ों में भटकती आत्मा, डरावने चेहरे और घने कोहरे के बीच भयानक चीख, किसी के भी रोंगटे खड़े कर देगी। विक्रम भट्ट अपनी हॉरर फिल्मों के लिए काफी मशहूर हैं, अपनी नई फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज करने जा रहे हैं। यह फिल्म उनके पुराने स्टाइल की वापसी है। यह भारत की पहली स्टीरियोस्कोपिक 3डी हॉरर फिल्म है।

लाइफ Style

दिशा आवारापन के सीक्वल में आएंगी नजर

29 जून 2007 में रिलीज हुई इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन के सीक्वल आवारापन 2 की रिलीज डेट सामने आ गई है। इसी के साथ मेकर्स ने इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के नाम से भी पर्दा उठा दिया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

इमरान हाशमी इस फिल्म में फिर से शिवम का किरदार निभाएंगे। प्रमोशनल पोस्टर में एक हाथ का क्लोज-अप दिखाया गया है, जिसमें चिड़िया का टैटू बना है। यह टैटू आजादी और मुक्ति की भावना को दिखाता है। इस सीक्वल में दिशा पाटनी भी मुख्य भूमिका में इमरान हाशमी के साथ काम करेंगी। यह दिशा पटानी का विशेष फिल्म्स के साथ पहला प्रोजेक्ट है। विशेष फिल्म्स ने आज 21 अप्रैल को आधिकारिक तौर पर आवारापन 2 की घोषणा कर दी है। यह 2007 की हिट फिल्म आवारापन का सीक्वल है। मेकर्स ने बताया कि फिल्म का प्रोडक्शन का में आखिरी चरण में है।

'आवारापन 2' 14 अगस्त को देश-विदेश के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो स्वतंत्रता दिवस के वीकेंड पर पड़ रहा है। फिल्म 'आवारापन 2' का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं। फिल्म को लेकर निर्माता विशेष भट्ट ने कहा, 'आवारापन एक गहरा एहसास है, जो बड़े पर्दे के लिए ही बना है। इसमें शानदार जगहों पर शूटिंग, बड़े सीन, मजबूत किरदार और अच्छा संगीत होगा। इमरान हाशमी शिवम के किरदार में पूरी तरह फिट हो गए हैं। अब दिशा पाटनी के जुड़ने से फिल्म में नई जान आ गई है।'

हॉलीवुड मसाला

सैंड्रा-निकोल साथ करेंगी काम

लॉस एंजिल्स। प्रैक्टिकल मैजिक 2 का ट्रेलर सामने आ चुका है। इस फिल्म में सैंड्रा बुलक और निकोल किडमैन साथ नजर आएंगी। दोनों लगभग 28 साल बाद बड़े पर्दे पर दर्शकों को नजर रही हैं। यह फिल्म 11 सितंबर को रिलीज होगी। लेकिन, कुछ जगहों पर इसका प्रीमियर 18 सितंबर को होगा। साल 1998 में हॉलीवुड फिल्म प्रैक्टिकल मैजिक रिलीज हुई थी। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट 28 साल बाद रिलीज हो रहा है। प्रैक्टिकल मैजिक 2 के ट्रेलर में विक्टोरियन दौर का एक घर दिखाया जाता है।

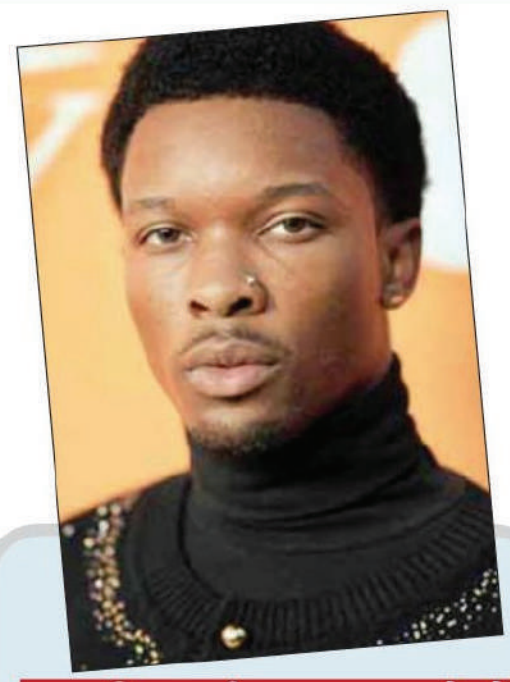

नाबालिग की हत्या मामले में हुई सिंगर डी-4वीडी की पेशी

लॉस एंजिल्स। डेविड बर्क 21 साल के एक म्यूजिशियन हैं, जो डी4वीडी के नाम से जाने जाते हैं। सिंगर पर पर 14 साल की नाबालिग की हत्या का आरोप लगे हैं। मंगलवार को इसी मामले में लॉस एंजेलिस में कोर्ट में उनकी पेशी हुई, जहां उनके वकील ने उनकी ओर से सभी आरोपों से इनकार किया। हालांकि, जज ने इसके बावजूद कड़ा फैसला सुनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड बर्क पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर, 14 साल से कम उम्र की लड़की के साथ यौन शोषण और शव के टुकड़े करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जज ने आदेश दिया है कि उन्हें बिना जमानत के हिरासत में रखा जाएगा। डी4वीडी को 2022 में पहचान मिली, जब उन्होंने अपने फोन पर गाने रिकॉर्ड करके फॉर्नाइट गेमिंग वीडियो में इस्तेमाल किए, जो टिकटॉक पर वायरल हो गए।

सूरज की फिल्म में पहली बार करेंगे काम

मुंबई। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म ऊंचाई डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। सूरज की फिल्म में पहली बार आयुष्मान खुराना काम करेंगे। यह पहली बार होगा जब आयुष्मान खुराना और शरवरी एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

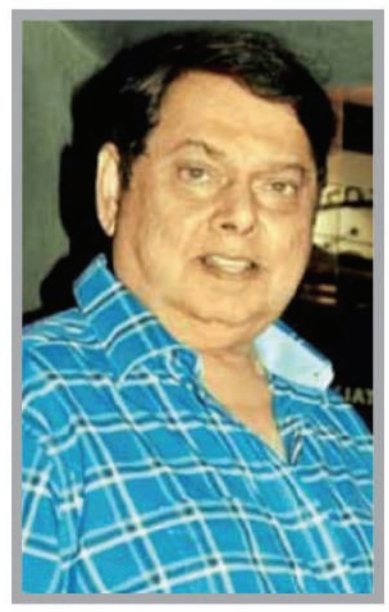

है जवानी तो... होगी आखिरी फिल्म

मुंबई। डेविड धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इससे पहले डायरेक्टर ने बड़ा बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए। ये मेरी आखिरी फिल्म हो सकती है। इसके बाद मैं बस वरुण का पिता रहूंगा।' तीन दशकों से भी ज्यादा लंबे करियर और 45 से ज्यादा फिल्मों के साथ, डेविड धवन ने अपने सफर को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने संजय दत्त, अनिल कपूर, गोविंदा और सलमान खान जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है।

टीवी मसाला

कराची से आया था मटका किंग रतन, मुंबई में बनाया साम्राज्य

नई दिल्ली। हाल ही ओटीटी पर विजय वर्मा की नई सीरीज 'मटका किंग' रिलीज हुई, जो चर्चा में है और काफी पसंद भी की गई। सीरीज की कहानी असली मटका किंग पर आधारित है। इसमें सट्टेबाजी की खतरनाक दुनिया को दिखया गया। रतन खत्री की कहानी उस दौर की है, जब नंबरों में किस्मत सिमटी होती थी और एक सही चाल भी आदमी को बादशाह बना देती थी। रतन खत्री एक ऐसे शख्स था, जिसने भारत में सट्टेबाजी की शुरुआत की और फिर उसे नई ऊचाइयों पर ले गया। उसे सट्टेबाजी का 'किंग पिन' और 'मटका किंग' कहा जाता था। रतन खत्री ने मटका को देश की सबसे मुनाफे वाली अंडरग्राउंड इंडस्ट्री में से एक बना दिया था। रमन खत्री शुरुआत में कोई बड़ी शख्सियत नहीं था। वह तो बल्कि प्रवासी था, जो सिंधु से ताल्लुक रखता था और विभाजन के बाद भारत आया था। लेकिन, देखते ही देखते वह कब सट्टेबाजी के खेल का बादशाह बन गया, पता ही नहीं चला और फिर 'मटका किंग' कहलाया। रतन खत्री कराची से सिंधी हिंदू परिवार में पैदा हुए और विभाजन के बाद परिवार के साथ भारत आ गए। यहां उन्होंने मुंबई (तब बंबई) में अपना डेरा जमाया। रतन जब किशोरावस्था में पहुंचे तो कपड़ा बाजारों और मिलों में काम करना शुरू कर दिया। वहीं उनका राब्ता सट्टेबाजी से हुआ। वह कपास के एक्सचेंज नंबर्स पर सट्टा लगाया जाता था। उसी दौरान मुंबई में सट्टेबाजी का एक नया रूप शुरू हुआ था, जिसे 'मटका' कहा जाता था। इससे रतन खत्री जुड़ गए और इसे सट्टे के एक बड़े नेटवर्क में बदल दिया।

घर से निकलने में भी लगता है डर

नई दिल्ली। कॉमेडियन सुनील पाल इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। बीते दिनों समय रैना ने जहां उन्हें अपने नए स्पेशल में रोस्ट किया, वहीं उससे पहले वह एक इवेंट में हुई बेइज्जती को लेकर चर्चाओं में रहे। अब साल 2024 की किडनैपिंग मामले में मेरठ कोर्ट पहुंचे कॉमेडियन का दर्द उस समय छलक पड़ा, जब वह आरोपियों की शिनाख्त करने पहुंचे थे। यह केस दिसंबर 2024 का है, जब नेशनल हाईवे से उन्हें कथित तौर पर किडनैप कर लिया गया था। करीब 24 घंटे बंधक बनाए जाने के बाद उन्हें छोड़ा गया था।

कॉमेडियन ताब हरिद्वार के इवेंट में परफॉर्म करने के लिए बुलाए गए थे, जो असल में एक झांसा था। सुनील पाल ने मेरठ कोर्ट में जहां 2 आरोपियों की पहचान की, वहीं इस वारदात के 16 महीने बाद भी अपने डर और घबराहट का जिक्र करते हुए भावुक आपबीती बताई। सुनील पाल ने कहा कि वह अपहरण की वारदात के बाद से ही डरे हुए हैं। यहां तक कि अब वह घर से बाहर निकलने में भी खौफ खाते हैं।

कपिल शर्मा का शो कॉमेडी फिल्मों के लिए बन रहा खतरा : परेश रावल

परेश रावल जिन्होंने अपने करियर में कई कॉमेडी फिल्मों में काम किया है और सबको खूब हंसाया है। उनका कहना है कि कपिल शर्मा का शो आज के समय में कई कॉमेडी मूवीज को टक्कर दे रहा है। परेश रावल हाल ही में फिल्म भूत बंगला में नजर आए हैं। इस फिल्म को प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है और इसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, तब्बू और राजपाल यादव हैं। फिल्म को ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिला है।

नई दिल्ली। अब परेश ने हाल ही में बताया कि कैसे आज कल कॉमेडी फिल्मों को टीवी और डिजिटल शोज से टफ कॉम्पटीशन झेलना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, परेश ने सुनील ग्रोवर की भी तारीफ की और उन्हो टैलेंट का ज्वालामुखी बताया है। परेश ने मनीकंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'ये कॉमेडी के लिए काफी मुश्किल समय है। हर सीन कॉम्पटीशन है। कपिल शर्मा शो तो हर कॉमेडी फिल्म के लिए कॉम्पटीशन है। कभी-कभी वो भी ओवर टॉप जाते हैं, लेकिन यह बात मायने नहीं रखती। एक्टर ने आगे कहा, 'अगर आप कपिल शर्मा शो देखते हैं और सुनील ग्रोवर को देखें कि क्या टैलेंट हैं उनमें। ये सब बहुत बड़े टैलेंटेड हैं। वो तो ज्वालामुखी हैं यार कॉमेडी के।

आपको उस कॉमेडी के साथ कॉम्पीट करना है तो आपको सोच बदलनी पड़ेगी नहीं तो नहीं होता है। कॉमेडी लिखना और उसे मेन्टेन करना काफी मुश्किल है। वहां भी जो कॉमेडी लिखी जाती है, उनकी 10-15 लोगों की टीम होती है। हमारे यहां तो एक राइटर को रखने का माल नहीं होता है प्रोड्यूसर के पास तो 15 लोगों को कहां से देगा।' बता दें कि सुनील ग्रोवर तो पिछले कुछ दिनों से अपने मिमिक्री स्टाइल के लिए छाए हुए हैं। उनके कई किरदार हिट रहे है जैसे एस एस राजामौली, आमिर खान, सलमान खान और कादर खान। कादर खान के तो उनके मिमिक्री वीडियो को बहुत ज्यादा प्यार मिला। कई ने तो उनके इस एक्ट को शेयर कर उनकी तारीफ की थी सोशल मीडिया पर। भूत बंगला के बाद परेश अब हेरा फेरी 3 और वेलकम टू द जंगल में नजर आने वाले हैं। वेलकम टू द जंगल में परेश के साथ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अनिल कपूर, संजय दत्त, रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी हैं। वहीं हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी लीड रोल में हैं।

मोहित की मूवी में फिर रोमांस करते नजर आएंगे अहान-अनीत

मुंबई। सैयारा फिल्म की बड़ी सफलता के बाद, अहान पांडे और अनीत पड्डा एक बार फिर यश राज फिल्म्स के लिए काम कर रहे हैं। वे निर्देशक मोहित सूरी के साथ नई रोमांटिक ड्रामा फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा पिछले हफ्ते हुई थी। एक खबर के अनुसार, फिल्म का अस्थायी नाम 'सतरंगा' रखा गया है। यह नाम अभी पक्का नहीं है, क्योंकि यह टी-सीरीज के पास पहले से रजिस्टर्ड है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह नाम फिल्म की कहानी से अच्छी तरह मेल खाता है। यह फिल्म भी 'सैयारा' की तरह ही एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म हो सकती है। सैयारा में अहान और अनीत को जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस नई फिल्म में अहान और अनीत रोमांस के और गहरे और अलग तरह के पहलुओं को दिखाएंगे। मोहित सूरी अभी स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है और इसे 2027 के अंत तक रिलीज करने का प्लान है। मोहित सूरी ने इस प्रोजेक्ट पर खुशी जताते हुए कहा, 'मेरे लिए प्रेम कहानियां हमेशा सबसे महत्वपूर्ण रही हैं। जब भावनाएं बहुत गहरी और बेकाबू हो जाती हैं, तब प्यार को सचमुच महसूस किया जा सकता है।' सैयारा फिल्म में भी यही बात बेबाकी से दिखाई गई है। सैयारा की टीम के साथ वापस आना मेरे लिए बहुत खास है। लगता है यह किस्मत में लिखा था। आगामी फिल्म को लेकर मोहित ने कहा, 'इस बार मैं खुद को एक नए कलाकार की तरह महसूस कर रहा हूं। कहानी को लेकर बहुत उत्साहित और थोड़ा घबराया हुआ भी। उम्मीद है कि इस फिल्म का संगीत भी लोगों के दिल को छू सकेगा।'

बाबुल की दुआएं लेती जा... इस गीत को गाते-गाते रो पड़े थे सिंगर

एक मुस्लिम गीतकार, जिसने बेटी की विदाई का दर्द गीत में उतार दिया

नई दिल्ली। 'बाबुल की दुआएं लेती जा' लिखने वाले इस मुस्लिम गीतकार ने कभी नहीं की थी शादी। गाने मे उतार दिया बेटी की विदाई करने वाले पिता का दर्द। इस गीत को गाते-गाते रो पड़े थे सिंगर। आज भी उतना ही दर्दभरा है ये गाना। 1968 में एक फिल्म आई थी नील कमल। इस फिल्म मे वहीदा रहमान, राज कुमार और मनोज कुमार ने लीड किरदार निभाया था। फिल्म राम महेश्वरी ने डायरेक्ट की थी और किदार शर्मा ने लिखी। वैसे तो फिल्म की कहानी एक ऐसी लड़की की थी जो नींद में चलती है और अपनी पुरानी जिंदगी मे चली जाती है। इस कहानी ने उस समय के लोगों को प्रभावित किया था। लेकिन गाने अलग ही माहौल बनाते थे। इसी फिल्म का वो गाना था 'बाबुल की दुआएं लेती जा'। एक ऐसा गाना जिसे सुनने वाले लोग और गाने वाला सिंगर रो पड़ा था। इस गाने को लिखने वाले ने ऐसे भावों को अपनी राइटिंग में दिखाया जो उसने खुद कभी महसूस नहीं किया।

इस गाने को सुन रो पड़ते हैं लोग

फिल्म नील कमल ये गाना तब बजता है जब बलराज साहनी का किरदार अपनी बेटी सीता की विदाई करता है। स्क्रीन पर नजर आने वाला वो विदाई का सीन आंखें गीली कर देता है। एक पिता अपनी बेटी को घर से डोली तक छोड़ने आता है। बैकग्राउंड में रवि का म्यूजिक और वो खास मन को कटोचने वाली धुन बजती है। ये सीन जितनी बार देखा जाता है उतनी बार आंखें गीली हो जाती हैं। इस गाने को उस दौर के मशहूर गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा था। साहिर ने खुद कभी शादी नहीं की, उनकी कोई संतान नहीं थी। लेकिन, जब ये गीत उन्होंने एक पिता के दर्द को अपनी लेखनी में उतारते हुए लिखा तो गाने वाले मोहम्मद रफी रो पड़े।

लोग मन में उमड़े जज्बातों की रोक नहीं पाए

फिल्म में जब ये गाना दिखाया गया तो इसे सुनने और देखने वाले लोग मन में उमड़े जज्बातों की रोक नहीं पाए। ऐसा ही किस्सा फिल्म धड़कन के गाने 'दूल्हे का सेहरा' गाने वाले नुसरत फतेह अली खान के साथ हुआ था। वो भी गाने की एक लाइन को गाते समय खूब रोए थे।

रफी की आवाज हो गई थी रुआंसी

इस गाने को रवि ने कंपोज किया था। गाने के अंतरे में सिंगर मोहम्मद रफी की आवाज रुआंसी हो जाती है। अंत में उन्होंने म्यूजिक कंपोजर रवि से कहा कि उन्हें एक बार फिर से रिकॉर्ड करना चाहिए क्योंकि वो गाना गाते समय रो गए हैं। ये सुनते ही म्यूजिक बनाने वाले रवि ने कहा कि वो ये गाना ऐसे ही रखेंगे। इस गाने को रिकॉर्ड करते समय मोहम्मद रफी इसलिए भी रो पड़े थे क्योंकि कुछ समय पहले ही उन्होंने अपनी बड़ी बेटी की शादी की थी। बेटी को याद कर उनकी आवाज रुआंसी हो गई।